संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक -38 शनिवार ,09 दिसम्बर 2023 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

महुआ मोइत्रा की सांसदी सदस्यता रद्द

» कैश फ़ॉर क्वेरी मामले में कार्रवाई

» आचार समिति की सिफारिश मंजूर,

» लोकसभा में पास हुआ प्रस्ताव

नई दिल्ली,08 दिसम्बर 2023(ए)।

तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा को रिश्वत लेकर सवाल पूछने के मामले में शुक्रवार को लोकसभा की सदस्यता से निष्कासित कर दिया गया। संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने निष्कासन का प्रस्ताव पेश किया। इसे सदन ने ध्वनिमत से पारित कर दिया। इससे पहले सदन में लोकसभा की आचार समिति की रिपोर्ट पर चर्चा हुई। रिपोर्ट में महुआ को निष्कासित करने की सिफारिश की गई थी। फैसले के बाद महुआ ने कहा कि एथिक्स कमेटी के पास निष्कासित करने का कोई अधिकार नहीं है। यह आपके अंत की शुरुआत है।

चर्चा के दौरान तृणमूल कांग्रेस ने

आसन से कई बार यह आग्रह किया कि महुआ मोइत्रा को सदन में उनका पक्ष रखने का मौका मिले। हालांकि, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने पहले इसकी इजाजत नहीं दी। उन्होंने इसके लिए संसदीय परिपाटी का हवाला दिया।

नौ नवंबर को रिपोर्ट की गई थी

इससे पहले भाजपा सांसद विनोद कुमार सोनकर की अध्यक्षता वाली आचार समिति ने गत नौ नवंबर को अपनी एक बैठक में महुआ मोइत्रा को लोकसभा से निष्कासित करने की सिफारिश वाली रिपोर्ट को स्वीकार किया था।

समिति के छह सदस्यों ने रिपोर्ट के पक्ष में मतदान किया था

समिति के छह सदस्यों ने रिपोर्ट के पक्ष में मतदान किया था। इनमें कांग्रेस से निलंबित सांसद परणीत कौर भी शामिल थीं। समिति के चार विपक्षी सदस्यों ने रिपोर्ट पर असहमति जताई थी। विपक्षी सदस्यों ने रिपोर्ट को फिक्स्ड मैच करार दिया था। उन्होंने कहा था कि भाजपा सांसद निशिकांत दुबे शिकायत में कोई भी दम नहीं है।

महुआ मोइत्रा ने कही यह बात

लोकसभा सदस्य के रूप में अपने निष्कासन पर महुआ मोइत्रा ने कहा कि अगर इस मोदी सरकार ने सोचा कि मुझे चुप कराकर वे अदाणी मुद्दे को खत्म कर देंगे, मैं आपको यह बता दूं कि इस कंगारू कोर्ट ने पूरे भारत को केवल यह दिखाया है कि आपने जल्दबाजी और उचित प्रक्रिया का दुरुपयोग किया है। यह दर्शाता है कि अदाणी आपके लिए कितने महत्वपूर्ण है और आप एक महिला सांसद को रोकने के लिए उसे किस हद तक परेशान करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि एथिक्स कमेटी के पास निष्कासित करने का कोई अधिकार नहीं है। यह आपके अंत की शुरुआत है।

उन्होंने कहा कि लोकसभा की आचार समिति, इसकी रिपोर्ट ने सभी नियमों को तोड़ा है। यह हमें झुकने के लिए मजबूर करने का एक हथियार है। मुझे उस आचार संहिता के उल्लंघन का दोषी पाया गया है, जो अस्तित्व में ही नहीं है। आचार समिति मुझे उस बात के लिए दंडित कर रही है, जो लोकसभा में सामान्य, स्वीकृत है तथा जिसे प्रोत्साहित किया गया है। आचार समिति के निष्कर्ष पूरी तरह से दो व्यक्तियों की लिखित गवाही पर आधारित हैं, जिनके कथन असल में एक-दूसरे के विरोधाभासी हैं।

500 पेज की रिपोर्ट कई अहम सिफारिशें

समिति ने 500 पेज की रिपोर्ट बनाई थी। इसमें संसद की गरिमा को बचाने व राष्ट्रीय सुरक्षा को महत्व देने के लिए कई अहम सिफारिश की गई थीं। महुआ पर रिश्वत ले कर अदाणी समूह के खिलाफ कारोबारी हीरानंदानी को लाभ पहुंचाने के लिए सवाल पूछने के आरोप हैं। खुद महुआ ने स्वीकार किया था कि उन्होंने संसद में सवाल पूछने के पोर्टल से जुड़ी अपनी आईडी-पासवर्ड साझा किए थे। हीरानंदानी ने महुआ को रिश्वत देने की बात स्वीकारी थी।

84 के सिख दंगा प्रभावितों को कैबिनेट की मंजूरी के बाद भी मुआवजा नहीं

नाराज-सरकार को स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने को कहा

रांची ,08 दिसम्बर 2023(ए)।

झारखंड हाईकोर्ट ने वर्ष 1984 के सिख दंगे के प्रभावितों को मुआवजे का भुगतान न किए जाने पर गहरी नाराजगी जताई है। कोर्ट ने मुआवजा वितरण से संबंधित क्रिमिनल केस की मॉनिटरिंग करने को लेकर सतनाम सिंह गंभीर की ओर से दायर जनहित याचिका की सुनवाई करते हुए राज्य सरकार को तीन दिन में स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने को कहा है।

सरकार को बताने को कहा गया है कि सिख दंगा पीड़ितों को किन-किन जिलों में कितना मुआवजा भुगतान किया गया है। कोर्ट ने सरकार से यह भी पूछा है कि बोकारो जिला में मुआवजा भुगतान के लिए 1 करोड़ 20 लाख की अतिरिक्त राशि कंटेंजेंसी फंड से उपलब्ध कराए जाने पर क्या हुआ? कैबिनेट ने भी इस पर अप्रूवल दे दिया है, इसके बाद भी बोकारो में मुआवजा भुगतान के लिए राशि क्यों नहीं आवंटित की गई?

कोर्ट ने मुआवजा निर्धारण को लेकर रिटायर्ड जस्टिस डीपी सिंह की अध्यक्षता में वन मैन कमीशन की रिपोर्ट की कॉपी भी कोर्ट में प्रस्तुत करने का निर्देश दिया था। लेकिन, सरकार ने यह रिपोर्ट भी पेश नहीं की। हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्रा की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने मामले की अगली सुनवाई की तिथि 12 दिसंबर को निर्धारित की है। प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता दिवाकर उपाध्याय एवं हस्तक्षेप कर्ता की ओर से फैसल अल्लाम ने पैरवी की।

बंगाल स्कूल भर्ती घोटाला मामले में आरोपी को झटका

» ईडी अधिकारियों के पहुंचते ही अस्पताल ने सुजय भद्र को आईसीयू में भेजा

कोलकाता,08 दिसम्बर 2023 (ए)। बंगाल स्कूल भर्ती घोटाला मामले में गिरफ्तार सुजय कृष्ण भद्र को केंद्र संचालित ईएसआई अस्पताल में स्थानांतरित करने के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारी शुक्रवार सुबह राज्य संचालित एस.एस.के.एम. मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल पहुंचे, लेकिन उन्हें पता चला कि भद्र को आईसीयू में शिफ्ट कर दिया गया है।

केंद्रीय एजेंसी भद्र की आवाज के नमूने लेने के लिए आवश्यक चिकित्सा परीक्षण करने के उद्देश्य से उन्हें ईएसआई अस्पताल ले जाने आई थी।

एस.एस.के.एम पहुंचने पर अस्पताल के अधिकारियों ने केंद्रीय एजेंसी के अधिकारियों को सूचित किया कि पश्चिम बंगाल में स्कूल में नौकरी के बदले करोड़ों रुपये के मामले के मुख्य आरोपी भद्र को सीने में दर्द की शिकायत के बाद गुरुवार रात उनके केबिन से आईसीयू में स्थानांतरित करना पड़ा।इस घटनाक्रम ने भद्र को ईएसआई अस्पताल में स्थानांतरित करने की दिशा में और अनिश्चितताएं पैदा कर दी हैं। एसएसकेएम पहुंचे ईडी अधिकारियों को भी बड़ी निराशा हुई जो अपने साथ एक अत्याधुनिक एम्बुलेंस लेकर गये थे।

खबर लिखे जाने तक ईडी के अधिकारी एस.एस.के.एम. अस्पताल के अधिकारियों और मेडिकल टीम से चर्चा कर रहे थे।

हाल ही में एस.एस.के.एम. अधिकारियों ने ईडी को बताया कि भद्र का मनोचिकित्सक से भी इलाज चल रहा है।

उनकी बायपास सर्जरी के बाद जब से उन्हें एस.एस.के.एम. में भर्ती कराया गया था तब से उनकी आवाज का नमूना परीक्षण करने की प्रक्रिया में कई बाधाओं का सामना करना पड़ रहा है। पिछली बार अस्पताल के अधिकारियों ने उन्हें चिकित्सा आधार आवाज के नमूने की जाँच की अनुमति नहीं दी।

आखिरकार, ईडी को पहले आवश्यक मेडिकल जांच के लिए भद्र को ईएसआई अस्पताल में स्थानांतरित करने के लिए कोलकाता की एक विशेष अदालत से अनुमति मिल गई।आवाज का नमूना परीक्षण यह देखते हुए जरूरी हो गया है कि कलकत्ता उच्च न्यायालय की एक खंडपीठ ने हाल ही में ईडी को स्कूल भर्ती घोटाले में अपनी जांच 31 दिसंबर तक खत्म करने का निर्देश दिया है।

छत्तीसगढ़,मध्यप्रदेश और राजस्थान के लिए भाजपा ने तय किए पर्यवेक्षक

»राजनाथ,सरोज पाण्डेय..छत्तीसगढ़ के लिएउ मुंडा और सोनोवाल

» राज्यसभा सांसद सरोज पाण्डेय पर्यवेक्षक के रूप में राजस्थान जाएगी

नई दिल्ली,08 दिसम्बर 2023(ए)।

तीन राज्यों के लिए मुख्यमंत्री पद के लिए आज भारतीय जनता पार्टी ने अपने पर्यवेक्षकों को चुना है। इसमें केन्द्रीय मंत्री राजनाथ सिंह, विनोद तावड़े और राज्यसभा सांसद सरोज पाण्डेय पर्यवेक्षक के रूप में राजस्थान जाएंगे।

मध्यप्रदेश में भारी बहुमत से सरकार बनने के बाद तमाम नेता मुख्यमंत्री बनने की रेस में है। आज भाजपा ने

मध्यप्रदेश के लिए मनोहर लाल, के लक्ष्मण और आशा लाकड़ा को पर्यवक्षेत्र के रूप में विधायक दल की बैठक लेकर उनकी राय लेने पहुंचेगे। तीन राज्यों में से सबसे ज्यादा चौकाने वाले नतीजे छत्तीसगढ़ के रहे जहां भाजपा ने जीत हालिस की है और प्रदेश में कई बड़े ऐसे चेहरे है जो मुख्यंत्री की रेस में शामिल है। सबसे पहला नाम डॉ. रमन सिंह, अरूण साव, रेणुका सिंह और ओपी चौधरी का भी सामने आ रहा है। भारतीय जनता पार्टी ने पर्यवेक्षक के रूप में अर्जुन मुंडा और सर्वानंद सोनोवाल को चुना है। जो विधायक दल की बैठक लेंगे।

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के नाम का ऐलान रविवार को होगा

नई दिल्ली,08 दिसम्बर 2023 (ए)।छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के चयन के लिए भाजपा खेमे से एक बड़ी खबर निकल कर सामने आ रही है। सूत्रों के मुताबिक, रविवार , 10 दिसंबर को छत्तीसगढ़ के नए मुख्यमंत्री के नाम का ऐलान हो सकता है। सूत्रों के मुताबिक, छत्तीसगढ़ में रविवार को भाजपा के नवनिर्वाचित विधायकों की बैठक हो सकती है। छत्तीसगढ़ के लिए भाजपा संसदीय बोर्ड द्वारा तय किए गए केंद्रीय पर्यवेक्षकों की मौजूदगी में विधायक दल की बैठक में नेता का चुनाव किया जाएगा।

छत्तीसगढ़ के लिए पार्टी ने केंद्रीय जनजातीय मंत्री अर्जुन मुंडा के साथ-साथ केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी, जलमार्ग एवं आयुष मंत्री सर्वानंद सोनोवाल और राष्ट्रीय

महासचिव दुष्यंत कुमार गौतम को केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। भाजपा सूत्रों के मुताबिक, भविष्य की राजनीति को ध्यान में रखते हुए पार्टी किसी आदिवासी या ओबीसी समुदाय के नेता को मुख्यमंत्री बना सकती है। राज्य के आदिवासी नेता- पूर्व केंद्रीय मंत्री रेणुका सिंह और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदेव साय, ओबीसी नेता एवं वर्तमान प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव के अलावा आईएएस से इस्तीफा देकर भाजपा में शामिल होने वाले ओपी चौधरी भी मुख्यमंत्री बनने की रेस में हैं।

केंद्रीय राज्य मंत्री रेणुका सिंह का केंद्रीय मंत्रिमंडल से इस्तीफा हुआ स्वीकार

» अरुण साव और गोमती साय पहले ही दे चुके हैं सांसद पद से इस्तीफा

नई दिल्ली,08 दिसम्बर 2023 (ए)। छत्तीसगढ़ के भरतपुर सोनहत से बीजेपी विधायक एवं केंद्रीय राज्य मंत्री रेणुका सिंह सरुता का इस्तीफा राष्ट्रपति द्रोपती मुर्मू ने स्वीकार कर लिया है, जबिक सांसद अरुण साव और गोमती साय पहले ही इस्तीफा दे चुके हैं।

राष्ट्रपति कार्यालय के मुताबिक, भारत के राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री की सलाह के अनुसार नरेंद्र सिंह तोमर, प्रहलाद सिंह पटेल और रेणुका सिंह सरुता के केंद्रीय मंत्रिपरिषद से इस्तीफे को संविधान के अनुच्छेद 75 के खंड (2) के तहत, तत्काल प्रभाव से स्वीकार कर लिया है। नरेंद्र सिंह तोमर और प्रह्लाद सिंह पटेल, मध्य प्रदेश में विधान सभा का चुनाव जीतें

हैं और दोनों नेताओं ने बुधवार को लोकसभा सदस्यता से अपना इस्तीफा दे दिया था, वहीं रेणुका सिंह छत्तीसगढ़ से विधायक का चुनाव जीती हैं और इन्होंने भी गुरुवार को लोकसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। तोमर और पटेल मध्य प्रदेश में, जबकि रेणुका सिंह छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री पद के दावेदारों में शामिल हैं।

प्रधानमंत्री की सलाह के आधार पर कैबिनेट मंत्री अर्जुन मुंडा को उनके मौजूदा मंत्रालय के अलावा, कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय का प्रभार सौंपा गया है, वहीं राज्यमंत्री शोभा करंदलाजे को उनके मौजूदा पोर्टफोलियो के अलावा, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय में राज्यमंत्री का प्रभार सौंपा गया है। राज्यमंत्री राजीव चन्द्रशेखर को उनके मौजूदा विभागों के अलावा, जल शक्ति मंत्रालय में राज्यमंत्री का प्रभार सौंपा गया है। राज्यमंत्री डॉ. भारती प्रवीण पवार को उनके मौजूदा पोर्टफोलियो के अलावा, जनजातीय मामलों के मंत्रालय में राज्यमंत्री का प्रभार सौंपा गया है।

केसीआर का कूल्हा फैक्चर

हैदराबाद,08 दिसम्बर 2023(ए)।

तेलंगाना के पूर्व सीएम केसीआर को हैदराबाद के यशोदा अस्पताल में भर्ती कराया गया है। केसीआर गुरुवार की रात फिसलकर गिर गए। जिसके चलते उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। के.चंद्रशेखर राव को गिरने के बाद कूल्हे में फ्रैक्चर हुआ है। जिसके चलते उनकी सर्जरी की जाएगी।मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, केसीआर एर्रावल्ली स्थित अपने फार्महाउस में फिसलकर गिर गए। जिसके चलते उन्हें रात में करीब 2 अस्पताल में भर्ती कराया गया है। तेलंगाना के कई दिग्गज नेता उस अस्पताल जा रहे हैं। जहां केसीआर भर्ती हैं। बताया जा रहा है कि विधानसभा चुनाव हारने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री अपने घर पर ही थे और यही वह लोगों से मिल रहे थे।तेलंगाना में हाल ही में विधानसभा चुनावों संपन्न हुए है।

केरल हाई कोर्ट ने सत्ता के दुरुपयोग मामले में सीएम विजयन,अन्य से मांगा जवाब

कोच्चि,08 दिसम्बर 2023(ए)।

केरल उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को उच्च पदस्थ सार्वजनिक अधिकारियों द्वारा रिश्वतखोरी और सत्ता के दुरुपयोग के आरोपों की जांच की मांग वाली याचिका पर मुख्यमंत्री पिनराई विजयन, उनकी बेटी टी. वीणा और अन्य शीर्ष राजनेताओं से जवाब मांगा।

उच्च पदस्थ सार्वजनिक अधिकारियों द्वारा रिश्वतखोरी और सत्ता के दुरुपयोग के आरोपों की जांच का आदेश देने से सतर्कता अदालत के इनकार को चुनौती देने वाली याचिका

पर केरल उच्च न्यायालय द्वारा नियुक्त न्याय मित्र ने पिछले महीने बताया था कि सतर्कता न्यायालय की ओर से प्रारंभिक जांच का विकल्प न चुनना गलत था।

विजिलेंस कोर्ट ने यह कहते हुए याचिका खारिज कर दी थी कि सार्वजनिक कार्यकर्ता गिरीश बाबू द्वारा दायर याचिका में कोई सबूत नहीं।

हालाँकि, इस दौरान बाबू का निधन हो गया, लेकिन हाई कोर्ट ने मामले को आगे बढ़ाने का फैसला किया और शुक्रवार को सभी को नोटिस जारी किया।

मुर्शिदाबाद मेडिकल कॉलेज में मौत का तांडव

24 घंटे में 9 नवजात और एक 2 साल के बच्चे की मौत

मुर्शिदाबाद, 08 दिसम्बर 2023(ए)। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद मेडिकल कॉलेज अस्पताल में 24 घंटे के बाद नौ नवजात और एक दो साल के बच्चे की मौत होने के सेहत विभाग और जिला प्रशासन में हड़कंप मच गया है। प्रशासन ने मौत के कारणों की जांच के लिए एक कमेटी का गठन भी कर दिया है।

सूत्रों के मुताबिक, मेडिकल कॉलेज के अधिकारियों का दावा है कि एसएनसीयू वार्ड की क्षमता 54 बच्चों की है, लेकिन करीब 100 नवजात शिशुओं को भर्ती किया जाता है। इससे संक्रमण फैलने की आशंका बनी रहती है। अधिकारियों के अनुसार ज्यादातर बच्चे बेहद खराब हालत में रेफर किए गए थे, जिस कारण उनकी मौतें हो गईं। मरने वालों में ज्यादातर बच्चों का वजन कम था।

अस्पताल प्रशासन के मुताबिक मरने वाले दस बच्चों में से तीन का जन्म मुर्शिदाबाद मेडिकल कॉलेज अस्पताल में हुआ था। डॉक्टरों ने कहा कि दो साल के बच्चे का न्यूरोलॉजिकल समस्याओं के कारण उनके अस्पताल में इलाज चल रहा था। सूत्रों के मुताबिक जंगीपुर सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में एसएनसीयू वार्ड के नवीनीकरण के कारण सभी बच्चों को मेडिकल कॉलेज में रेफर किया जा रहा है।

जेल में बंद ठग सुकेश चन्द्रशेखर ने बीआरएस नेताओं पर हमला बोला

नई दिल्ली,08 दिसम्बर 2023 (ए)। जेल में बंद कथित ठग सुकेश चंद्रशेखर ने तेलंगाना के बीआरएस नेताओं के.टी. रामाराव (केटीआर) और के. कविता के नाम एक तीखा पत्र भेजा है जिसमें कथित भ्रष्टाचार के संदर्भ में आरोपों और साहसिक भविष्यवाणियों की भरमार है। चन्द्रशेखर ने पत्र की शुरुआत कविता को हालिया विधानसभा चुनावों में उनकी हार पर 'बधाई' देते हुए की। उन्होंने पत्र में दावा किया है कि चुनाव परिणाम जनता की उस समझ का प्रमाण है जिसे वह नेताओं के अहंकार और नकली ताकत के रूप में देखते हैं। पत्र में पिछली प्रेस विज्ञप्ति का हवाला दिया गया है जिसमें चन्द्रशेखर ने कविता को उसके कथित झूठ, लालच और भ्रष्टाचार के आसन्न अंत के बारे में आगाह किया था। संदेश में केटीआर और कविता पर पूर्ण सत्ता के भ्रष्ट प्रभाव के आगे झुकने का आरोप लगाया गया है और दावा किया गया है कि उनकी कार्यप्रणाली अब सबके सामने उजागर हो गई है।

मंडोली जेल में बंद ठग ने अपने पत्र में लिखा है, आपने मुझे धोखेबाज और न जाने क्या-क्या कहा, लेकिन आज आप भी उसी पायदान पर हैं, कोई फर्क नहीं है। चन्द्रशेखर ने भविष्यवाणी की है कि कविता और उसके राजनीतिक सहयोगी जल्द ही उस पार्टी में शामिल हो जाएंगे जिसे वह जेल में आम आदमी पार्टी के कट्टर भ्रष्ट नेताओं का क्लब कहते हैं।

वह लिखते हैं, मैं यह सुनिश्चित करूंगा और आपको पूरी तरह बेनकाब करूंगा।

संपादकीय

ईवीएम का विवादित मसला

अगर ईवीएम अविश्वसनीय हैं, तो फिर कांग्रेस या संपूर्ण विपक्ष को इस मुद्दे को एक संगठित ढंग से उठाना चाहिए। साथ ही इन दलों को यह कहना चाहिए कि वे चुनाव में भाग तभी लेंगे, जब इन्हें विश्वसनीय विधि से कराया जाएगा।
मध्य प्रदेश में कांग्रेस को दो बड़े नेताओं- दिग्विजय सिंह और कमलनाथ ने जो कहा है, उसका संकेत है कि वे राज्य में अपनी पार्टी की हुई हार को स्वीकार करने से इनकार कर रहे हैं। दिग्विजय सिंह ने साफ कहा है कि उन्हें ईवीएम पर भरोसा नहीं है। इसके पहले जब एक एग्जिट पोल में भाजपा को 160 से अधिक सीटें मिलने का अनुमान लगाया गया था, तब सिंह ने ट्विट कर उस सर्वे एजेंसी के कर्ताधर्ता की साख पर सवाल उठाया था। कमलनाथ ने संदेह जताया है कि उस सर्वे एजेंसी को पहले से नतीजा पता था, और उसने ऐसे परिणाम के बारे में पहले से माहौल बनाने की कोशिश की। स्पष्टतः ये गंभीर आरोप हैं। इनकी गंभीरता इसलिए अधिक बढ़ जाती है, क्योंकि इनका सीधा संबंध भारतीय लोकतंत्र की साख से है। लोकतंत्र का यह अनिवार्य तत्व है कि उसमें होने वाले चुनावों में सभी सहभागी पक्षों का यकीन बना रहे। तभी राजनीतिक दल अपनी हार को सहजता से स्वीकार करते हैं।
अपेक्षा यह होती है कि पार्टियां अपनी हार को इस रूप में स्वीकार करें कि इस बार वे मतदाताओं का पर्याप्त समर्थन नहीं जुटा पाए। लेकिन अगर दल यह मानें कि मतदाताओं का बहुमत उनके साथ था, लेकिन किसी प्रकार की धांधली से जीत उनसे छीन ली गई, तो फिर चुनाव और लोकतंत्र दोनों की साख खतरे में पड़ जाती है। इसीलिए दिग्विजय सिंह और कमलनाथ के बयानों को हलके से नहीं लिया जा सकता। इन बयानों से कई प्रश्न उठे हैं। मसलन, यह कि जब कांग्रेस जीत जाती है, वहां उसके नेता ऐसे सवाल क्यों नहीं उठाते? फिर ऐसे प्रश्न चुनाव नतीजे आने के बाद क्यों उठाए जाते हैं? अगर ईवीएम अविश्वसनीय हैं, तो फिर कांग्रेस या संपूर्ण विपक्ष को इस मुद्दे को एक संगठित ढंग से उठाना चाहिए। साथ ही उसे यह बताना चाहिए कि किस विधि से होने वाले चुनाव को वह विश्वसनीय मानेगा। उसे यह कहना चाहिए कि जब तक उसकी शर्तें पूरी नहीं होतीं, वह चुनावों में भाग नहीं लेगा। वरना, चुनावों के बाद ऐसे आरोप अंगूर खट्टे हैं, वाली कहावत की श्रेणी में माने जाएंगे।

कांग्रेस चुनाव लड़ना सचमुच भूल गई है!

नरेंद्र मोदी और अमित शाह ने भाजपा को चुनाव लड़ने की मशीनरी बना दिया है। और राजनीति में यह अच्छी बात है। ठिक दूसरी तरफ कांग्रेस चुनाव लड़ना भूल गई! कैसे और क्यों? आज हकीकत है कि कांग्रेस कंपीटिशन मेंन तो चुनाव लड़ने की मशीनरी बनी है बल्कि चुनाव लड़ने की बेसिक्स भी छोड़ बैठी है। दूसरे शब्दों में किस तरह से उम्मीदवारों का चयन होता है, कैसे जमीनी मुद्दे उठाए जाते हैं, किस तरह से प्रदेशों में संगठन काम करता है, कैसे चुनाव अभियान समिति काम करती है,कैसे केंद्रीय टीम के साथ प्रदेश कमेटी के तालमेल होते है, चुनाव के बीच जमीनी स्तर पर क्या क्या तैयारियां होती हैं और कहां नेतृत्व को रणनीतिक लचीचापन दिखाना होता है और कहां सख्ती करनी होती है, जबकि ये सब ऐसी चीजें हैं, जो कांग्रेस और उसके नेताओं को सामान्य ज्ञान की तरह पता होनी चाहिए! इस बारे में किसी भी पार्टी को कुछ भी बताना पानी में मछली को तैरना सिखाने की तरह है। लेकिन अफसोस की बात है कि कांग्रेस संगठन चलाने, चुनाव लड़ने और लड़ कर सत्ता हासिल करने का बेसिक इंस्टिंक्ट भूल चुकी है।
हिंदी पट्टी के तीन राज्यों- राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस चुनाव हारी तो ईमानदारी से उसका विश्लेषण करने की बजाय कांग्रेस नेता तेलंगाना का वोट जोड़ कर कहने लगे कि कांग्रेस को भाजपा से 10 लाख वोट ज्यादा मिला है। हकीकत यह है कि इन तीन राज्यों में कांग्रेस को भाजपा से 50 लाख वोट कम मिला है। कांग्रेस को तीन लाख 98 हजार वोट मिला है तो भाजपा को चार करोड़ 51 लाख वोट मिला है। राजस्थान के नजदीकी मुकाबले को छोड़ दें तो दो राज्यों में कांग्रेस को निर्णायक हार मिली है। लेकिन अब कांग्रेस नेता इस टोटके की बात कर रहे हैं कि 2003 में इन राज्यों में कांग्रेस हारी थी तो 2004 में देश की सत्ता उसको मिल गई थी। ऐसी जब सोच है तो फिर भगवान ही मालिक है!
बहरहाल, अगर ईमानदारी से कांग्रेस इन तीन राज्यों में हार के कारणों की तलाश करती तो उसको पता चल जाता कि इन राज्यों में हार के बीज 2018 में ही पड़ गए थे। असल में कांग्रेस में इन दिनों केंद्रीय आलाकमान की तरह राज्यों में भी आलाकमान बनाने का चलन हो गया है। पहले कांग्रेस में एक ही आलाकमान होता था। लेकिन अब राज्यों में छोटे छोटे आलाकमान बना दिए गए हैं। राज्यों में एक ही नेता के हाथ में सब कुछ सौंप दिया जाता है और उसके फैसले पर सवाल नहीं उठाया जाता है। यह संगठन के कमजोर होने और जमीनी नेताओं के हाशिए पर जाने का कारण बना है। सोचें, जब 2018 में मध्य प्रदेश में कमलनाथ मुख्यमंत्री बने तो उन्हीं को प्रदेश अध्यक्ष क्यों बनाए रखा गया? ज्योतिरादित्य सिंधिया ने चुनाव अभियान समिति के बतौर प्रमुख के नाते कितनी मेहनत की थी, क्या यह किसी से छिपा हुआ था? लेकिन उन्हें सरकार या संगठन में हिस्सेदार नहीं बनाया गया। जब वे लोकसभा चुनाव हार गए तो उन्हें 2020 में राज्यसभा जाने से भी रोकने का प्रयास हुआ, जिसका नतीजा यह हुआ कि 15 साल बाद मिली सत्ता कांग्रेस ने गंवा दी। इस बार चुनाव में ग्वालियर-चंबल संभाग के नतीजों से पता चल रहा है कि सिंधिया के होने या नहीं होने का क्या असर हुआ है।
बिल्कुल यही स्थिति राजस्थान की रही, जहां अशोक गहलोत के हाथ में सब कुछ सौंप दिया गया। सचिन पायलट बागी हुए तो उनके प्रति लचीलापन दिखाने की बजाय उनको सबक सिखाने का फैसला हुआ। सबको पता है कि 2018 के राजस्थान विधानसभा चुनावों से पहले प्रदेश अध्यक्ष के नाते पायलट ने कितनी मेहनत की थी। जाति का ही सही लेकिन एक वोट आधार बना था। इस बार के चुनावों में पूर्वी राजस्थान के नतीजों से पायलट की उपयोगिता का पता चल रहा है। अगर गहलोत अपने अहंकार और सर्वज्ञ होने की सोच में चुनाव नहीं लड़ते तो आज वे रिवाज बदल कर मुख्यमंत्री बनते। राज्य की 44 सीटें ऐसी हैं, जहां तीसरी पार्टी या निर्दलीय को हार-जीत के अंतर से ज्यादा वोट मिला है। ये सारी सीटें भाजपा ने जीती हैं और कांग्रेस दूसरे नंबर पर रही है। गहलोत को भारतीय आदिवासी पार्टी, राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी,

आम आदमी पार्टी और कम्युनिस्ट पार्टियों को कुछ सीटें देकर उनसे तालमेल करना था। लेकिन या तो वे इस अहंकार में थे कि वे जीत जाएंगे या यह सोचा हुआ था कि कांग्रेस को हरवा कर जाना है। ऐसे में कांग्रेस आलाकमान का सार्थक हस्तक्षेप हो सकता था लेकिन दिल्ली में सब चुप रहे।
इसी तरह छत्तीसगढ़ में भूपेश बघेल आलाकमान बन गए और उनकी जैसे मर्जी हुई वैसे उन्होंने सरकार चलाई। एक समय मुख्यमंत्री पद के दावेदार रहे टीएस सिंहदेव, ताम्रध्वज साहू, चरणदास महंत जैसे नेताओं की कोई पूछ नहीं रही। चुनाव में भी कांग्रेस ने सब कुछ कमलनाथ, अशोक गहलोत और भूपेश बघेल के ऊपर छोड़ा था। इसके उलट भाजपा में सब कुछ नरेंद्र मोदी और अमित शाह के स्तर पर तय हो रहा था। हालांकि भाजपा के उम्मीदवारों की पहली सूची के बाद लगा की कुछ गलत हो रहा है तो तुरंत मोदी और शाह ने लचीलापन दिखाया और प्रदेश के क्षत्रपों को चुनावी प्रक्रिया में शामिल किया। क्या इस तरह का रणनीतिक लचीलापन कांग्रेस नेतृत्व नहीं दिखा सकता है? कांग्रेस आलाकमान यानी गांधी परिवार और मल्लिकार्जुन खड़गे ने सब कुछ प्रदेश नेताओं पर छोड़े रखा और प्रादेशिक क्षत्रपों के विरोधी नेताओं की कोई बात नहीं सुनी। इसे लेकर तीन तरह की थ्योरी है। पहली तो यह कि प्रादेशिक स्तर पर कांग्रेस आलाकमान ने जिनको पूरी पार्टी आउटसोर्स की थी उन्होंने किसी तरह से दिल्ली में नेताओं का मुंह बंद कर रखा था। दूसरी थ्योरी यह है कि कांग्रेस आलाकमान इतना कमजोर हो गया है कि प्रादेशिक क्षत्रप अब उसके कंट्रोल में नहीं हैं और तीसरी थ्योरी यह है कि जो संसाधन जुटा रहा था उसके हाथ में सब कुछ सौंप दिया गया। कमलनाथ को जैसी बेहिसाब ताकत मिली या अशोक गहलोत ने पायलट मामले में या राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के समय जैसा आचरण किया और भूपेश बघेल ने टीएस सिंहदेव प्रकरण में जैसी राजनीति की वह कुल मिला कर आलाकमान की बांह मरोड़ने जैसा था। वैसे यह सिर्फ इन तीन राज्यों का मामला नहीं है। हरियाणा से लेकर कर्नाटक और तेलंगाना तक में कांग्रेस आलाकमान के हाथ बंधे दिखते हैं।
बहरहाल, जब चुनाव लड़ना भूल जाने की बात करते हैं तो उसमें कई चीजें शामिल होती हैं। चुनाव प्रचार और रैलियां उनमें से एक है। इसमें राहुल गांधी और प्रियंका गाधी वाड्रा या मल्लिकार्जुन खड़गे की मेहनत पर सवाल नहीं उठाया जा सकता है। लेकिन यह तो सिर्फ एक छोटा सा हिस्सा है। बड़ा हिस्सा चुनावी नैरेटिव बनाने और उसके हिसाब से आचरण करने, चुनाव की रणनीति बनाने और उस पर अमल करने और रणनीतिक समझौते करने का होता है। इन सभी कसौटियों पर कांग्रेस का केंद्रीय और प्रादेशिक आलाकमान दोनों बार-बार विफल साबित होते हुए है। सोचें, नरेंद्र मोदी और अमित शाह जैसे शक्तिशाली नेता जरुरत पड़ने पर हनुमान बेनीवाल के लिए सीट छोड़ देते हैं कहीं आजसू के सुदेश महतो के लिए सीट छोड़ देते हैं, लोकसभा के साथ साथ राज्यसभा की सीट देकर भी लोक जनशक्ति पार्टी से समझौता करते हैं, शिव सेना तोड़ने वाले एकनाथ शिंदे को मुख्यमंत्री बना देते हैं, अपनी पार्टी में ही बगावत करने वाले या चुनौती देने या विरोधी माने जाने वाले येदियुरप्पा, शिवराज, वसुंधरा, रमन सिंह, उमा भारती आदि को पर्याप्त महत्व दे देते हैं। लेकिन कांग्रेस में ऐसा लचीलापन कोई नहीं दिखाता है। ऐसे ही कांग्रेस जो विमर्श खड़ा करती है उसमें भी उसका आचरण अलग होता है। उसमें वॉक द टॉक वाली बात नहीं होती है। मिसाल के तौर पर राहुल गांधी ने जाति गणना और आरक्षण बढ़ाने को सबसे बड़ा मुद्दा बनाया लेकिन कांग्रेस यह दावा नहीं कर सकती है कि उसके संगठन में पिछड़ी जाति के लोग आबादी के अनुपात में हैं। तीन मुख्यमंत्री जरूर कांग्रेस दिखा रही थी लेकिन वह तात्कालिक मामला था। इसके उलट भाजपा ने नरेंद्र मोदी के चेहरे, उनकी सरकार में शामिल पिछड़ी जातियों के मंत्रियों, ओबीसी आयोग को संवैधानिक दर्जा देने, विश्वकर्मा योजना, नवोदय व सैनिक स्कूलों और मेडिकल दाखिले में ओबीसी को आरक्षण देकर अपने को पिछड़ी जातियों में ज्यादा मजबूती से स्थापित किया है। इसी तरह राहुल गांधी एक तरफ अडानी पर हमला करते हैं तो दूसरी ओर उनकी राज्य सरकारें या प्रदेश के नेता अडानी की जय-जयकार करते हैं। राजस्थान में अडानी ने 50 हजार करोड़ रुपए के निवेश का वादा किया तो मुख्यमंत्री गहलोत उनके सामने बिछे थे तो केरल में अडानी के विझिंजम पोर्ट की शुरुआत हुई तो कांग्रेस के नेता इसका श्रेय लेने के लिए मारा-मारी कर रहे थे। हिंदुत्व के मुद्दे पर कांग्रेस अभी तय ही नहीं कर पाई है कि उसे क्या करना है। राहुल गांधी इस मामले में अलग लाइन पर चल रहे थे तो कमलनाथ, भूपेश बघेल की अलग लाइन थी। दूसरी ओर इस मामले में भाजपा की सोच और राजनीति में कोई अस्पष्टता नहीं है।
सो,न तो कांग्रेस के बनाए विमर्श में वैचारिक निरंतरता और एकरूपता दिखती है और न उसके राजनीतिक अभियानों में निरंतरता दिखती है। इसी तरह केंद्र से लेकर प्रदेश स्तर पर संगठन एडहॉक तरीके से काम कर रहा है। एक साल से ज्यादा समय बीत जाने के बाद अभी तक खड़गे ने अपना संगठन नहीं बनाया है। कई राज्यों में भी यही हालात हैं। पार्टी ने 2017 में तय किया था कि वह चुनाव प्रबंधन की एक आंतरिक कमेटी बनाएगी। लेकिन उस मामले में कोई प्रगति नहीं हुई और हर जगह प्रादेशिक क्षत्रपों ने चुनाव लड़ाने की जिम्मेदारी मैनेजरों के ऊपर छोड़ दी। सबको पता है कि मैनेजरों के साथ पार्टी के नेताओं, कार्यकर्ताओं और प्रदेश व केंद्र के बीच तालमेल नहीं बन सकता है। इस वजह से हर जगह कांग्रेस का प्रचार बिखरा दिखता है। उसमें समन्वय की कमी दिखती है। ऐसा लगता है कि कांग्रेस हर बार यह सोच कर चुनाव लड़ती है कि अब बहुत हो गया इस बार तो भाजपा हार ही जाएगी। लेकिन ऐसा नहीं हो रहा है। पहले ऐसा होता होगा, लेकिन अब भाजपा बदल गई है। वह 24 घंटे राजनीति करने वाली मशीन है। उससे भी गलतियां होती हैं लेकिन वह तुरंत गलतियों में सुधार करती है। हर बार नए विमर्श खड़े करती है, जबकि कांग्रेस लूप में फंसी है। वह इंतजार में है कि देर-सबेर लोग उबेंगे, नाराज होंगे और भाजपा को हरा देंगे। हो सकता है कि वह समय भी आए लेकिन अभी निकट भविष्य में ऐसा होता नहीं दिख रहा है। निकट भविष्य में ऐसा हो इसके लिए कांग्रेस को सोशल मीडिया में नहीं, बल्कि जमीन पर लड़ना होगा, जमीनी सच्चाई का जनमन समझना होगा।

-अजीत द्विवेदी-

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

असहमति के बिना लोकतंत्र प्रगति नहीं कर सकता

लोकतंत्र में असहमति और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता निर्विवाद अधिकार हैं, लेकिन दोनों ही ख़तरे में पड़ सकते हैं। एल के.सी. में धूलिया की स्मृति में सम्मेलन, ट्रिब्यूनल सुप्रीम डे ला इंडिया के अध्यक्ष डी.वाई. चंद्रचूड़ ने जोर देकर कहा कि असंतुष्टों के बिना लोकतंत्र प्रगति नहीं कर सकता। असहमति से तीखी बहस का माहौल बनता है. उनमें से कई लोगों को याद होगा कि आज न तो असहमति आम है और न ही बहस. हालाँकि लोकतंत्र बहुमत वाली सरकार पर निर्भर करता है, सीजेआई ने बताया कि कई अन्य प्रकार की सरकारों के साथ भी ऐसा ही होता है। एक बार फिर, कुछ लोगों को ऐसी सरकारों के ख़तरे याद आ गए। लोकतंत्र की सुंदरता उस नैतिक स्थिति में निहित है जिसका आनंद इसके नागरिक विविध मतों के प्रति अनुकूलन के कारण प्राप्त करते हैं। बहुसंख्यक पानी के साथ तैरेंगे, लेकिन संख्यात्मक या सामाजिक अल्पसंख्यक राज्य को अपने पक्ष में रखेंगे, ठीक इसलिए क्योंकि वह कमज़ोर था। लोकतांत्रिक राज्य असहमति सहित विभिन्न दृष्टिकोणों के साथ निरंतर बातचीत के माध्यम से अस्तित्व में है। वह सहभागी लोकतंत्र था, एकमात्र तरीका जिससे नागरिक स्वतंत्र महसूस करते थे।
असहमति का अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता से अटूट संबंध है, लेकिन क्या इसका मतलब यह है कि घृणा और नफरत भी इसका हिस्सा हैं? सीजेआई ने वी.एम. में डिजिटल युग में गोपनीयता और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता से संबंधित नागरिक स्वतंत्रता की रक्षा की कठिनाइयों को संबोधित किया। तर्क की स्मृति में सम्मेलन. गलत सूचनाओं और नफरत भरे भाषणों के प्रसार से हमारी स्वतंत्रता को खतरा है; सीजेआई के भाषण ने इनके और निगरानी के बीच संबंधों का भी पता लगाया। ऐलान किया कि झूठी खबरें और ट्रोलिंग को अभिव्यक्ति की आजादी में शामिल नहीं किया जा सकता. लेकिन यहां का आधार मूल्यवान है, ताकि जो लोग नुकसान पहुंचाना चाहते हैं वे उस पतली लाल रेखा को मिटा सकें जो उन्हें असहमति से अलग करती है। दुनिया भर की अदालतें नागरिक अधिकारों को संरक्षित करने के लिए तकनीकी प्रगति की गति का अनुसरण करने का प्रयास करती हैं। लेकिन यह विडंबना है कि लोकतंत्र स्वतंत्रता और समानता के विचारों पर आधारित है। साल्वो, कुछ भी आसान नहीं है. निजी कंपनियों द्वारा प्रबंधित प्लेटफार्मों द्वारा प्रचारित कार्य भी खतरनाक है- सीजेआई ने म्यांमार में जातीय सफाई में सामाजिक नेटवर्क की भूमिका की संयुक्त राष्ट्र द्वारा मान्यता का हवाला दिया। सीजेआई ने जिन कठिनाइयों की बात की, वे दूर नहीं होंगी, खासकर अगर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का जानबूझकर दुरुपयोग किया जाता है। केवल संविधान में अंतर्निहित मूल्यों में विश्वास और स्वतंत्रता की अवधारणा के प्रति एक संयमित दृष्टिकोण ही नफरत के प्रसार को रोकने और गलत सूचना को हराने में मदद कर सकता है।

-त्रिवेणी देवांगन-

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

सोशल मीडिया में अश्लीलता का दुष्प्रभाव

जिस प्रकार आज धड़ल्ले से फेसबुक सहित अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर अश्लीलता परोसी जा रही है, वह भारतीय संस्कृति के मूल सिद्धांतों के खिलाफ है और भारत सरकार को निश्चित रूप से ऐसी साइट्स को तुरंत प्रभाव से ब्लॉक कर सख्त कानूनी प्रावधानों को समाज हित में लागू करना चाहिए।
भारतीय संस्कृति में सदाचरण, चरित्र निर्माण, विनम्रता, प्रेम, दया, त्याग और आदर-सम्मान जैसे सद्गुणों को प्रमुखता दी जाती रही है। इसके बावजूद हमें कुपथगामी एवं दुराचारी लोगों के किस्सों की कथाएं आए दिन प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में पढने, देखने और सुनने को मिलती रहती हैं, जिससे कहीं न कहीं यह भावना बलवती होती है कि हमारी शिक्षा व्यवस्था में संस्कारों, आदर्शों, मूल्यों और नैतिक आचरण को लेकर भरपूर मार्गदर्शन होने के बावजूद क्यों समाज के कुछ लोग पथभ्रष्ट होकर गलत कार्यों में संलग्न रहकर सामाजिक ताने-बाने को दूषित करने का प्रयास करते हैं? यह सच है कि इंटरनेट, गूगल और सोशल मीडिया के लाभों को आज नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। आप यूट्यूब और गूगल सर्च इंजन से कैसी भी जानकारी तत्काल हासिल कर अपनी ज्ञान सुधा तृप्त कर सकते हैं। लेकिन इन्हीं माध्यमों पर उपलब्ध अश्लील सामग्री का आप क्या करेंगे?
फेसबुक की वीडियो वाली रील्स सेक्शन में गंदे और अश्लील वीडियो की भरमार है, उस पर तुरंत रोक लगनी चाहिए। सोशल मीडिया ने इसके उपयोगकर्ताओं को एक प्लटेफार्म उपलब्ध करवाया है। इस माध्यम द्वारा आप लेखन कार्य, पारिवारिक गतिविधियों, अपनी उपलब्धियों, विशेष पारिवारिक समारोह के चित्रों/वीडियो को व्यक्तिगत रूप से सांझा कर सकते हैं और सार्वजनिक रूप से आम लोगों तक पहुंचा सकते हैं। लेकिन सिक्के के दो पहलुओं की माफिक आजकल इंटरनेट और सोशल मीडिया के अच्छे बुरे दोनों रूपों के इस्तेमाल को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। इन प्लेटफॉर्म्स को जहां आप अपनी रुचियों के परिमार्जन और आपसी मेल मिलाप आदि के दृष्टिकोण से सदुपयोग कर सकते हैं तो वहीं कुछ दुष्ट प्रवृत्ति के लोग इन प्लेटफॉर्म्स को रुपया कमाने और हमारी युवा शक्ति को बिगाड़ कर सामाजिक माहौल को दूषित करने में दिन-रात लगे हुए हैं। लिहाजा इन माध्यमों पर परोसी जा रही अश्लीलता पर कानूनी तौर पर रोक लगाना आज की सबसे बड़ी आवश्यकता बन गई है। सबसे पहले 1997 में पहला सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म सिक्सडिग्री लॉन्च किया गया था। इसकी स्थापना एंड्रयू वेनरिच ने की थी। एक रिपोर्ट के मुताबिक बीते एक साल में इंटरनेट यूजर्स की संख्या 7.6 फीसदी बढ़ी है और यह 4.72 अरब तक पहुंच गई है। भारत में फेसबुक पर एक महीने में लगभग 200 करोड़, यूट्यूब पर 100 करोड़, इंस्टाग्राम पर 70 करोड़, रेड्डिट के 25 करोड़, पिनट्रेस्ट के 15 करोड़, आस्क एफएम के 16 करोड़ उपयोगकर्ताओं सहित करोड़ों भारतीय अन्य सोशल मीडिया साइट्स पर विजिट्स करते हैं। आज दुनिया की कुल आबादी के 60 प्रतिशत से अधिक के बराबर जनता सोशल मीडिया का इस्तेमाल कर रही है। आज की तारीख में गलत सूचनाएं और उम्र छुपा कर 9-10 साल के छोटे-छोटे बच्चों ने भी फेसबुक पर अपने अकाउंट खोल रखे हैं और धड़ल्ले से सोशल मीडिया का उपयोग कर रहे हैं।
ऑनलाइन शिक्षण के नाम पर बच्चों को स्मार्टफोन देना या उपलब्ध करवाना और उसे हर वक्त डाटा उपलब्ध करवाना मां-बाप की मजबूरी बन चुकी है। अब अभिभावक शिक्षित हो या अशिक्षित, प्रत्येक क्षण अपने बच्चों की गतिविधियों पर नजर रखने से रहे, ऐसे में भारत में बढ़ता स्मार्टफोन्स का बाजार मां-बाप के समक्ष नई चुनौतियां भी खड़ी कर रहा है। ऊपर से फेसबुक, यूट्यूब और पोर्न साइट्स पर परोसी जा रही अश्लीलता से परिस्थितियां गंभीर होती जा रही हैं। जितने ज्यादा मोबाइल यूजर्स होंगे, उतना ही डाटा का इस्तेमाल बढ़ेगा और टेली कंपनियों के वारे न्यारे होंगे। इसलिए उनकी तरफ से हमारी किशोरवय एवं युवापीढ़ी गलत दिशा में जाती है तो भाड़ में जाए, उन्हें तो अपनी मोटी कमाई से मतलब है। इन सोशल नेटवर्किंग साइट्स के कुछ लाभ भी हैं तो कुछ हानियां भी हैं। जैसे सोशल मीडिया के इस्तेमाल से आप अकेलेपन का शिकार होने से बचते हैं। सोशल नेटवर्किंग साइट्स से आप हमेशा व्यस्त रह सकते हैं। सोशल नेटवर्किंग साइट्स आपके बिजनेस को भी फायदा पहुंचा सकती हैं और इन्हीं साइट्स पर आपको ठगा भी जा सकता है। वस्तुत- सोशल नेटवर्किंग एक प्रकार की लत है और आप इसके आदी होते चले जाते हैं। कई बार सोशल नेटवर्किंग साइट्स से आपका डाटा और फोटो भी चोरी कर लिए जाता है जिसका प्रयोग गलत कार्यों के लिए किया जा सकता है। सोशल नेटवर्किंग का इस्तेमाल करते समय आपको कुछ सावधानियां बरतनी चाहिएं, जैसे सोशल साइट्स पर हमेशा अपनी पूरी जानकारी अपलोड न करें। सोशल साइट्स के द्वारा बने दोस्तों को आप अपनी पर्सनल जानकारी न दें। यह बात हमेशा ध्यान रखें कि सोशल नेटवर्किंग साइट्स नए लोगों से मिलने और उनसे जुडने का बस एक माध्यम भर है, अतएव इसे आप अपनी जिंदगी का हिस्सा न बनाएं।

-अनुज आचार्य-

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

कहीं कोहरा,कहीं उष्णता,कहीं बाढ़,बिगड़ता प्राकृतिक संतुलन

प्रकृति से मानवीय खिलवाड़ के नतीजे

भारत जैसे विकासशील देश में ही जहां गरीबी ने अपना परचम फैला रखा है। शहरों में पेट्रोल ,डीजल, केरोसिन से चलने वाली गाड़ियों और वातानुकूलित यंत्रों याने ए,सी की संख्या में बेतहाशा वृद्धि होने से वातावरण में उष्णता बढ़ते जा रही है। इसके अलावा वनों का विनाश एक भयानक समस्या के रूप में देश में फैलता जा रहा है। अंधाधुंध फैक्ट्रियों एवं मशीनों के उपकरणों से निकलने वाले धुंए से वातावरण विषैला बनाकर मनुष्य और जीव जंतुओं का जीना दूभर कर दिया है। वनों की कटाई के साथ-साथ कंक्रीट के जंगल धीरे-धीरे गांव की तरफ बढ़ने लगे हैं, ऐसे में शुद्ध वायु और और तापमान में आश्चर्यजनक बदलाव जिसके परिणाम स्वरूप वर्षा ऋतु के परिवर्तन एवं बारिश में न्यूनता आने से धरती के तापमान में बेतहाशा वृद्धि हुई है। इसी के चलते देश के कई शहरों में तापमान 48 से 50 सेल्सियस होने के कारण पशु पक्षी एवं मनुष्य की हीट स्ट्रोक से मृत्यु हुई हो जाती है। पानी की कमी तथा शरीर में डिहाइड्रेशन से लोगों की तथा वन्य पशुओं की लगातार मृत्यु हो रही है।
ग्लोबल वार्मिंग का खतरा वैज्ञानिकों के अनुसार पूरे विश्व में बहुत बढ़ गया है और ऐतिहासिक तौर पर पिछले दो से तीन सौ वर्षों की तुलना की जाए तो बीते कुछ वर्षों में धरती का तापमान आश्चर्यजनक रूप से तीव्र गति से बढ़ गया है। वैज्ञानिकों के अनुसार पृथ्वी के पास ग्लोबल वार्मिंग से बचने के लिए कुल मिलाकर 10 से 15 वर्ष ही शेष है। वैज्ञानिकों की यह बातें और रहस्योद्घाटन मानवता को डराने वाला जरूर है पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसके उपायों की जो घोर अनदेखी की जा रही है वह अत्यंत चिंतनीय है। मानवता के लिए अत्यंत खतरनाक भी है। ग्लोबल वार्मिंग न सिर्फ मनुष्य के लिए खतरा है बल्कि जीव-जंतुओं समुद्र में पाए जाने वाले जीवो के लिए भी यह अत्यंत विषैला तथा खतरनाक हो सकता है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वैज्ञानिकों के शोध के अनुसार जीवाश्म ईंधन के दशक ने एवं जलने से ग्लोबल वार्मिंग का तापमान तेजी से बढ़ा है एवं पूरी पृथ्वी जीवाश्म ईंधन के जलने से तेजी से धड़क रही है। वैज्ञानिकों की चेतावनी तथा दिए गए प्रमाण के बाद भी अनेक देश जो कार्बन उत्सर्जन के बड़े जिम्मेदार हैं, जीवाश्म ईंधन की इस्तेमाल को कम करने या खत्म करने का नाम ही नहीं ले रहे हैं। जीवाश्म ईंधन की खपत खत्म होने की बात तो दूर है कम करने का नाम ही नहीं ले रहे हैं, और तो और इसके आसार भी निकट भविष्य में दिखाई नहीं दे रहे हैं। भारत को छोड़कर अन्य यूरोपीय देशों जिसमें अमेरिका ब्रिटेन के अलावा 32 देशों ने जो कार्बन उत्सर्जन एवं जीवाश्म ईंधन के उपयोग के लिए सर्वाधिक जिम्मेदार हैं, सम्मेलन कर इस पर चिंता जरूर जताई है पर इसमें स्पष्ट तौर पर अमेरिका, ब्रिटेन ,जापान चीन ,रूस की दादागिरी दिखाई देती है,यह छोटे गरीब देशों पर सारी जिम्मेदारी लादने का काम कर रहे हैं ।विश्व के कुल देशों में से लगभग 50 देश ऐसे हैं जो जीवाश्म ईंधन का उपयोग कर पृथ्वी को धधकाने के कार्य का 60 प्रतिशत तक हिस्सेदारी रखते हैं। लेकिन इन देशों को ग्लोबल वार्मिंग की चिंता की बजाए विकासशील देश एवं गरीब देशों पर पर्यावरण सुरक्षा के नाम पर ग्लोबल वार्मिंग के नाम पर दोषारोपण कर के अपनी इतिश्री कर लेते हैं। ग्लोबल वार्मिंग तथा पर्यावरण चिंतन जितने भी सम्मेलन हुए हैं इसमें बड़े देशों की नीति एवं दादागिरी स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। चीन जो सबसे बड़ा कार्बन का उत्सर्जक देश है उसने पर्यावरण पर हुए सम्मेलनों में हिस्सेदारी तो दूर उसकी तरफ ध्यान देना भी उचित नहीं समझा। इंटरनेशनल पॉल्यूशन कंट्रोल कमिटी ने चेतावनी दी है कि धरती के तापमान की वृद्धि को डेढ़ डिग्री तक रोकने के लिए कार्बन उत्सर्जन में 43 प्रतिशत से 50 प्रतिशत तक कटौती करनी होगी। 2010 से लेकर 2021 तक दुनिया का औसत वार्षिक ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन मानव इतिहास में सबसे उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है जो सर्वाधिक खतरे के निशान से भी ऊपर है। फलस्वरूप जलवायु परिवर्तन के वजह से होने वाली ग्लोबल वार्मिंग को रोकने के लिए हमें अपने उत्सर्जन को लगभग शून्य पर लाना होगा, और इस कार्य के लिए पूरी दुनिया को ऊर्जा क्षेत्र में बड़े और कार्यकारी बदलाव लाने होंगे, इसके अलावा जीवाश्म ईंधन के उपभोग में भारी कमी भी लानी पड़ेगी। विगत 3 वर्षों में अक्षय ऊर्जा स्रोतों में जैसे सौर एवं पवन ऊर्जा साथी स्टोरेज बैटरी की लागत में आश्चर्यजनक गिरावट आई है जो लगभग गैस तथा कोयले की कीमत के बराबर हो गए हैं। कार्बन उत्सर्जन अभी 54त्र अधिक है। वास्तविक रूप से देखा जाए तो दुनिया के सब अमीर देश अकेले विश्व के कुल गैस उत्सर्जन के लिए बड़े जिम्मेदार पाए गए हैं। वैज्ञानिकों ने कहा है कि अगले आठ दस सालों में अपने गैस उत्सर्जन में कटौती को आधा यानी 50त्र से कम नहीं करती है तो वर्ष 2050 तक उसे शून्य स्तर पर लाना होगा, अगर ऐसा नहीं किया तो पृथ्वी को तबाह होने से कोई नहीं रोक सकता है। भारतीय संदर्भ में देखा जाए तो भारत मोटे तौर पर ग्रीन हाउस गैसों के कुल वैश्विक उत्सर्जन में सहित 6.8 प्रतिशत का हिस्सेदार है। 1990 से लेकर 1920 तक भारत के ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में एक में 175त्र की बढ़ोतरी हुई है। 2013 से 2021 के बीच देश के प्रति व्यक्ति उत्सर्जन की मात्रा 17 फ़ीसदी बढ़ी है, राहत की बात यह है कि अब भी भारत का उत्सर्जन स्तर जी-20 देशों के औसत स्तर से बहुत नीचे है। देश में अक्षय ऊर्जा की हिस्सेदारी 11प्रतिशत की है, भारत की कुल ऊर्जा आपूर्ति में जीवाश्म ईंधन आधारित प्लांट का योगदान 74त्र है। यदि कार्बन उत्सर्जन को रोका नहीं गया और जीवाश्म ईंधन के उपयोग की रफ्तार यही रही तो भारत सहित विश्व के अधिकांश देश अपनी धरती को बचाने में सक्षम नहीं होंगे।

संजीव ठाकुर,
चौबे कॉलोनी
रायपुर
छत्तीसगढ़,

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

जिंदगी का अंत

जिंदगी का आगाज तो
बहुत ज्यादा अच्छा है।
लेकिन इस जिंदगी का
अंत बहुत अफसोस नाक है।
आदमी अपनी सारी उम्र
ढेर सारा धन कमाता है
उसके मरने के बाद यह सारा
यहीं पर ही रह जाता है।
जीवित होने पर यह आदमी
बड़े-बड़े ऊंचे ऊंचे महल बनाता है
और न जाने कितने प्लाट लेता है
मरने पर 2 गज जमीन मिलती है।
जिन परिवार के सदस्यों के लिए वह
दिन रात कोलहू के
बैल की तरह काम
करता है वही परिवार के सदस्य उसे
मरने पर जलाकर खाक कर देते हैं
दो-चार दिन रो पीट कर
करते हैं दिखावा
उसके बाद सब कुछ
सामान्य सा हो जाता है
उसके कमाए हुए
धन से ही महंगे महंगे
प्रीति भोज के द्वारा यश प्राप्त करते हैं।
सारी उम्र किसी ने इज्जत नहीं की।
मरने पर उसके
गुणगान प्रतियोगिता होती है।
आदमी के मरने के बाद
उसके उत्तराधिकारियों
मैं झगड़ा फसाद और
मुकदमे भारी होती है
हर कोई उसकी जायदाद
हड़पना चाहता है।
कोई उसके मरने पर
अफसोस नहीं करता।
देखा आपने जिस आदमी के
पैदा होने पर
लड्डू मिठाई बांट कर
खुशियां मनाई जाती हैं
उसके मरने का अंत
कितना दुखदाई होता है।

प्रोफेसर
शाम लाल
कौशल
रोहतक(
हरियाणा)

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

साँप

कल मैंने एक साँप देखा,
सड़क पर रेंग रहा था ।
उसे देख ठिठका मन मेरा,
थोड़ा घबराया था।
फिर उसके हालात देख,
मन में विचार आया था ।
ये कैसी योनि थी उसकी,
जो ना उड़,ना चल,
ना तैर ही रहा था ।
रेंग -रेंग कर देह से,
राह में जा रहा था ।
उसे देख मन में ख्याल आया,
रेंगते हुए कितनी घायल होती
होगी इसकी काया।
कन्कड़,कांटे और भी
न जाने क्या- क्या,
यूँ रेंगकर पार करता होगा।
क्या ये भी यूँ रेंग -रेंग कर
रोता होगा।
कोसता होगा भगवान को
मानव की तरह,
जो हर कर्म का आरोप
प्रभु पर लगा देता हैं ।
अच्छा -बुरा सब
उसकी मर्जी से होता हैं ।
ये कह पल्ला झाड़ लेता हैं ।
इस योनि में भी वह मुझे
कर्मठ लग रहा था ।
अपने कर्तव्य के प्रति
सजग लग रहा था ।
अकारण किसी को
सता नही रहा था ।
बस अपनी राह में जा रहा था ।
साँप था वो खुलेआम
घूम रहा था ।
आस्तीन में छुपकर
डस नही रहा था ।

-गरिमा राकेश
गर्विता
कोटा,राजस्थान

अस्तित्व

किसी के पास
जब कुछ बचता नहीं
बुलाए तब तो कोई
मैं इतना सस्ता नहीं।
माना की प्रेम चाहिए
जीवन में मगर मांगना पड़े
भिख की तरह
वो भी जचता नहीं।
माना की जीवन में
कुछ चीजें हासिल नहीं हुई
फिर भी
देखकर औरों की तरक्की
मैं कभी जलता नहीं।

डॉ.राजीव
डोगरा
जनयानकड़
कांगड़ा
हिमाचल प्रदेश

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

निगम व राजस्व विभाग की कार्रवाई जारी,शहर से हटाए जा रहे अतिक्रमण

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,08 दिसम्बर 2023 (घटती-घटना)।

नगर निगम, राजस्व एवं पुलिस अमला द्वारा शहर के सडक़ों पर अतिक्रमण हटाने अभियान चलाया जा रहा है। शहरी व्यवस्था को सुधारने प्रशासन का अभियान लगातार जारी है। शुक्रवार को भी नगर निगम की उडऩ दस्ता टीम ने अतिक्रमण को लेकर सख्त कार्रवाई की। अम्बिकापुर जिला चिकित्सालय के सामने अतिक्रमण कर अवैध संचालित ठेले को हटाने की प्रभावी कार्रवाई की गई है। इसी कड़ी में आकाशवाणी चौक, रिंग रोड आदि में भी जरूरी कार्रवाई की गई। नगर निगम की टीम द्वारा दुकानदारों को बार-बार समझाइश दी जा रही है कि सडक़ों पर अतिक्रमण न करें। अतिक्रमण करने पर कार्रवाई होगी। शहर की व्यवस्था को देखने कलेक्टर कुंदन कुमार ने बीते दिनों सुबह पैदल दौरा कर शहरी व्यवस्था का जायज़ा लिया। वहीं कलेक्टर ने नगर निगम आयुक्त को अतिक्रमण पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इसके बाद नगर निगम अमला एक्शन मोड़ में आ गया। बाजार की सडक़ों पर अतिक्रमण के कारण जाम की समस्या बनती है, जिसकी वजह से आमजन को परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। इस तरह की समस्याओं को देखते हुए कलेक्टर के निर्देश पर नगर निगम ने अतिक्रमण के खिलाफ अभियान शुरू कर दिया है। शुक्रवार को टीम ने अम्बिकावाणी चौक और मेडिकल कॉलेज अस्पताल के सामने कार्रवाई की। दुकानों के आगे सडक़ पर अतिक्रमण किया गया था। जिस पर नगर निगम की उडऩ दस्ता टीम ने कार्रवाई करते हुए कई अवैध ठेले और गुमटियां को हटाया। वहीं नगर निगम की उडऩ दस्ता टीम लगातार शहर का भ्रमण कर अवैध ठेले गुमटियों का संचालन कर रहे लोगों को समझाइश भी दे रही है।

नवनिर्वाचित विधायक रामकुमार टोप्पो ने लिया अधिकारी व कर्मचारियों की बैठक

- संवाददाता -
सीतापुर, 08 दिसम्बर 2023 (घटती-घटना)।

सीतापुर विधानसभा के नवनिर्वाचित विधायक रामकुमार टोप्पो ने आज सीतापुर के चलता में स्थित कृषि विज्ञान केन्द्र के बैठक हाल में सीतापुर विधानसभा क्षेत्र के अधिकारी व कर्मचारियों के साथ एक दुसरे के साथ जान परिचय के तहत आज बैठक का आयोजन किया गया।इस बैठक में सीतापुर विधानसभा क्षेत्र के सभी विभागों के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।वहीं बैठक में उपस्थित अधिकारी व कर्मचारीयों ने सीतापुर विधानसभा क्षेत्र के नवनिर्वाचित विधायक रामकुमार टोप्पो को अपना परिचय दिया और साथ ही अपने विभाग की जानकारी देते हुए समस्यों से भी विधायक जी को अवगत कराया। इस बैठक में विभाग वार सभी अधिकारी व कर्मचारियों ने अपनी बातें विधायक जी के समक्ष रखी,, यह बैठक विधायक रामकुमार टोप्पो व सीतापुर SDM रवि राही के उपस्थित में सम्पन्न हुआ, वही विधायक जी ने पत्रकारों चर्चा करते हुए कहा, क्षेत्र में विकास कार्य को प्राथमिकता देते हुए भ्रष्टाचार से मुक्त रखा जाएगा वहीं अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि आपको किसी भी व्यक्ति के दबाव में कार्य नहीं करना है आप स्वतंत्र मुक्त होकर अपना कार्य करें,जिससे क्षेत्र का विकास तेज गति से किया जा सके।

सरस्वती महाविद्यालय में एकल समूह व वादन प्रतियोगिता का आयोजन

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,08 दिसम्बर 2023 (घटती-घटना)।

सरस्वती महाविद्यालय में एकल समूह व वादन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य डॉक्टर बीपी तिवारी द्वारा मां सरस्वती के छाया चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। प्रतियोगिता में महाविद्यालय के समूह सुभाष चंद्र बोस, भगत सिंह, महाराणा प्रताप, रानी लक्ष्मी बाई के विद्यार्थियों ने बढ़ चढक़र भाग लिया तथा अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। महा विद्यालय के प्राचार्य ने भी विद्यार्थियों के उत्साह वर्धन के लिए भजन प्रस्तुत करते हुए कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिता से आपकी प्रतिभा को उभारने में मदद मिलती है। साथ ही विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वह इस तरह की प्रतियोगिता में बढ़-कर कर भाग ले जिससे आपकी नैतिक मूल्यों का विकास हो सके। इस प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में वरिष्ठ प्राध्यापक ऋषि सिंह, कृष्ण कुमार डॉक्टर मीना पटेल ने सभी विधाओं को देखते हुए अपने निर्णय दिया इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त छात्र भी उपस्थित थे।

शासकीय भूमि पर अवैध कब्जा, जांच करने पहुंची एसडीएम

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,08 दिसम्बर 2023 (घटती-घटना)।

अंबिकापुर जनपद के ग्राम पंचायत सकालो में सरपंच पति व ग्राम पंचायत सचिव द्वारा शासकीय प्राथमिक विशालय व पशु चिकित्सालय की भूमि पर अवैध कब्जा कर व्यवसायिक भवन का निर्माण कराया जा रहा था।ग्रामीणों ने इसकी शिकायत कलेक्टर से की थी। शिकायत के बाद एसडीएम ने आरआरआई पटवरी के साथ मौके पर पहुंचकर मामले की जांच की। एसडीएम ने आरआरआई पटवारी को दो दिन के अंदर दस्तावेज की जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने की निर्देश दिया है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि ग्राम पंचायत सकालो की शासकीय भूमि जिस पर प्राथमिक पाठशाला व पशु चिकित्सालय संचालित किया जाता रहा है। प्राथमिक पाठशाला तोड़ कर व पशु चिकित्सालय का अतिक्रमण कर भू-माफियाओं के साथ मिलकर सरपंच पति व पंचायत सचिव करोड़ो की भूमि पर व्यवसायिक भवन का निर्माण कराकर बेच दिये है। इनके द्वारा भू-माफियाओं से करोड़ो का लेनदेन किया गया है। इनके द्वारा करोड़ो की जमीन बेच कर शासन को बड़ी क्षति पहुँचाया गया है। पशु चिकित्सालय व प्राथमिक पाठशाला के लिये जो भूमि शासन द्वारा आरक्षित कर भवन का निर्माण कराया गया था उसका खसरा नं. 1361 है। जिसे कब्जा कर भू-माफियाओं को बेचा गया है। तोड़े गये प्राथमिक पाठशाला का कबाड़ जिसमें खिडक़ी, लोहा, दरवाजा, टीन शेड, सरिया, ईट आदि को सरपच पति व सचिव द्वारा बेच दिया गया है। जिससे शासन को लाखों की क्षति हुई है।

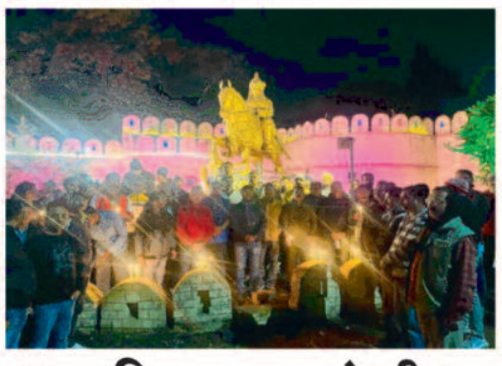

क्षत्रिय समाज ने दी गोगामेड़ी को श्रद्धांजलि

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,08 दिसम्बर 2023 (घटती-घटना)।

राजस्थान के सुखेदव सिंह गोगामेड़ी की हत्या के खिलाफ सरगुजा क्षत्रिय समाज ने विरोध जताया है। घटना की निंदा करते हुए क्षत्रिय समाज ने अंबिकापुर महाराणा प्रताप चौक पर विरोध-प्रदर्शन किया। इसके बाद स्व. गोगामेडी की आत्मा की शांति के लिए 2 मिनट का मौन रखकर तथा मोमबत्ती जलाकर श्रद्धांजलि अर्पित किया। क्षत्रिय समाज ने घटना की निंदा करते हुए हत्यारों को फांसी की सजा की मांग की है। इस दौरान क्षत्रिय समाज के वरिष्ठ सदस्य एवं युवा भारी संख्या में उपस्थित थे।

समिति प्रबंधक की लापरवाही के कारण भीग गया धान

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,08 दिसम्बर 2023 (घटती-घटना)।

चक्रवाती तूफान मिचौंग का असर सरगुजा में भी देखने को मिल। सीतापुर के धान खरीदी केन्द्र में समिति प्रबंधक की लापरवाही सामने आई है। बारिश को बावजूद धान को बचाने के लिए यहां कोई खास इंतेजाम नहीं किया गया। जिसके चलते सोसायटी में रखा धान भीग गया। सरगुजा संभाग में बीते तीन दिन लगातार रुक-रुक कर बारिश हुई है। इस बीच यहां धान खरीदी केंद्रों में समिति प्रबंधक की लापरवाही सामने आई है। बारिश के बीच समिति प्रबंधक द्वारा धान को बचाने के लिए कोई विशेष व्यवस्था नहीं की गई थी। समिति प्रबंधक की लापरवाही के कारण खरीदी केन्द्र पर रखे धान भीग गए हैं। समिति प्रबंधक द्वारा धान की खेप को बारिश से बचाने के लिए आधा-अधूरा तिरपाल लगाकर धान को ढंकने की कोशिश की गई थी। पूरी तरह व्यवस्था न किए जाने से धान भिग गया है। इस संबंध में जब समिति के कंप्यूटर ऑपरेटर से बातचीत की गई तो उसने बताया कि बारिश से धान को बचाने के लिए प्रयास किया जा रहा है, लेकिन तिरपाल की कमी होने से धान भीग रहा है। वहीं सीतापुर एसडीएम रवि राही ने धान खरीदी केंद्र में तत्काल टीम भेजकर इसकी जांच कराने का निर्देश देने की बात कही है।

फरार आरोपी की गिरफ़्तारी पर एसपी ने जारी की इनाम

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,08 दिसम्बर 2023 (घटती-घटना)।

एनडीपीएस के मामले में हाईकोर्ट से जमानत मिलने के बाद आरोपी फरार है। न्यायालय द्वारा कई बार गिरफ्तारी वारंट जारी किए जाने के बावजूद भी आरोपी का पता नहीं चला। इस मामले में एसपी सुनील शर्मा ने आरोपी के संबंध में जानकारी देने वाले को 5 हजार रुपए का इनाम घोषित किया है।

जानकारी के अनुसार एनडीपीएस के मामले में कोतवाली पुलिस ने ग्राम बराहमपुर थाना नोरवा जिला रोहतास (बिहार) निवासी नागेन्द्र ड्क्षसह पिता रामबचन ड्क्षसह को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया था। इसके बाद आरोपी को हाईकोर्ट से जमानत मिला था। जमान के बाद से आरोपी फरार है। न्यायालय द्वारा कई बार गिरफ्तारी वारंट जारी किया जा चुका है। इसके बावजूद भी इसका पता नहीं चला है। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए एसपी सुनील शर्मा ने पुलिस रेगुलेशन के तहत घोषणा किया है कि कोई भी व्यक्ति आरोपी के संबंध में सूचना देता है तो उसे 5 हजार रुपए का इनाम दिया जाएगा और उसका नाम व पता गोपनिए रखा जाएगा।

सैनिक स्कूल अम्बिकापुर में अन्तर्सदन क्रॉस कंट्री प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,08 दिसम्बर 2023 (घटती-घटना)।

कैडेटों के मानसिक और चारित्रिक विकास के साथ शारीरिक विकास को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी सैनिक स्कूल अम्बिकापुर में अन्तर्सदन क्रॉस कंट्री प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। क्रॉस कंट्री को सब जूनियर, जूनियर और सीनियर तीन वर्गों में बांटा गया था। कक्षा 6 एवं 7 को सब जूनियर, 8 एव 9 को जूनियर तथा 10, 11 एवं 12 को सीनियर वर्ग में रखा गया। इस क्रॉस कंट्री दौड़ में सब जूनियर वर्ग के लिए 6 किलोमीटर, जूनियर वर्ग के लिए 8 किलोमीटर तथा सीनियर वर्ग के लिए 10 किलोमीटर की दूरी निर्धारित की गई थी। स्कूल द्वारा इस आयोजन की व्यापक तैयारियां की गई। कैडेटों को उचित दिशा निर्देशों तथा सावधानियों के साथ प्रतिदिन इस दौड़ का अभ्यास कराया गया।

सैनिक स्कूल अंबिकापुर की प्राचार्य कर्नल मिताली मुधुमिता, सेना मेडल ने बताया कि क्रॉस कंट्री दौड़ केवल एक शारीरिक गतिविधि नहीं है बल्कि कैडेटों की मानसिक दृढ़ता, धैर्य, क्षमता तथा दमखम की भी एक परीक्षा है। खेल प्रशिक्षक हवलदार वाई.एस. जानी ने बताया कि प्रतियोगिता के सुचारु संचालन तथा विजेता कैडेटों के निर्धारण के लिए नौ एनक्लोजर बनाए गए थे, जिनमें पहले आने वाले कैडेटों को ही प्रवेश मिला।

क्रॉस कंट्री दौड प्रातः 07 बजे प्रारंभ हुई और इस दौड़ के पूरे रास्ते में कैडेटों के लिए स्थान - स्थान पर टोकन प्वॉइंट के साथ-साथ वाटर प्वॉइंट भी बनाए गए थे। इसके अतिरिक्त स्कूल प्रबंधन द्वारा दवाइयों, प्राथमिक चिकित्सा तथा अन्य आवष्यक सुविधाओं से लैस स्कूल एम्बुलेंस पूरे रास्ते कैडेटों के साथ-साथ चलने की भी व्यवस्था की गई थी। सीनियर वर्ग में कैडेट पराग त्रिपाठी, कैडेट सत्यम शिवहरे तथा कैडेट रितेश रजवाड़े ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया।

जूनियर वर्ग में कैडेट भार्गव महामुनि, कैडेट अंशुल एक्का तथा कैडेट कौशल कुमार तथा सब जूनियर वर्ग में कैडेट आकाश धाकड़, कैडेट आयुष कुर्रे तथा कैडेट अमृत सिंह ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया।

बालिका वर्ग के सीनियर वर्ग का प्रथम पुरस्कार कैडेट आंचल एक्का ने जीता। जूनियर वर्ग में कैडेट सौम्या राज, कैडेट जॉन्सी केरकेट्टा तथा कैडेट प्राची ने प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया। बालिकाओं के सब जूनियर वर्ग में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान क्रमशः कैडेट विनीता गबेल, कैडेट लीसा दीवान तथा लवली कुमारी को प्राप्त हुआ। सभी कैडेटों के सम्मिलित प्रयासों और प्राप्तांकों के आधार पर अर्जन सिंह सदन ने शेष तीनों सदनों को बड़े अंतर से पछाड़कर इस प्रतिष्ठित ट्रॉफी पर कब्जा किया।

प्रतियोगिता के समापन पर स्कूल की प्राचार्य कर्नल मिताली मधुमिता, सेना मेडल द्वारा विजेता हाउस और विजेताओं को ट्रॉफी, मेडल और प्रमाण पत्र प्रदान कर प्रोत्साहित किया गया।

प्रतियोगिता के अंत में प्राचार्य महोदया ने क्रॉस कंट्री के शानदार आयोजन के लिए प्रतियोगिता प्रभारी श्री एम.एस.एन. राजू तथा खेल प्रषिक्षकों हवलदार वाइ इन्द्रा जानी एवं चित्रलेखा को बधाई दी। इस अवसर पर विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक श्री बी.के. पाण्डेय एवं समस्त कर्मचारी भी उपस्थित थे।

सीआईआई कांफ्रेंस में अंबिकापुर नगर निगम को मिला दूसरा पुरस्कार

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,08 दिसम्बर 2023 (घटती-घटना)।

सीआईआई एक राष्ट्रीय स्तार एजेंसी है। जो नगर निगम के कार्यों को लेकर प्रतियोगिता कराती है। सीआईआई द्वारा अप्रैल 2023 में न्यू दिल्ली में राष्ट्रीय स्तर के कांफ्रेंस में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया था। जिसमें अंबिकापुर सहित देश भर के कई नगर निगम शामिल हुए था। 30 नवंबर को कांफ्रेंस में प्रस्तुति देने नगर निगम अंबिकापुर से स्वच्छता निरीक्षक एवं एक अभियंता शामिल हुए थे। जो अंबिकापुर में चल रहे एसएसआरएम परियोजना का प्रस्तुतिकरण दिया था। जिसमें अंबिकापुर को द्वितीय पुरस्कार मिला है। पर प्रदेश में आचार संहिता लगने के कारण इसे सार्वजनिक नही किया गया था। आचार संहिता खत्म होने पर इसे नगर निगम आयुक्त अभिषेक कुमार के समक्ष प्रमाण-पत्र प्रस्तुत किया गया और खुशी जाहिर की गई।

विद्यालय में सशस्त्र सेना झंडा दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन

- संवाददाता -
सूरजपुर,08 दिसम्बर 2023 (घटती-घटना)।

विकासखंड रामानुजनगर में माध्यमिक शाला पतरापाली में सशस्त्र सेना झंडा दिवस पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बच्चों ने शहीदों के नाम पर देशभक्ति गीत का गायन, निबंध लेखन किया। एक दूसरे के सीने पर झंडा लगाया एवं प्रति झंडा योगदान राशि एकत्र किया। कार्यक्रम में शिक्षक योगेश साहू ने सशस्त्र सेवा झंडा दिवस के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि देश की सुरक्षा के लिए सैनिक दिन-रात एक कर अपना कर्तव्य निभाते हैं, लेकिन कई बार देश की सुरक्षा में सैनिकों को अपने प्राणों की आहुति देनी पड़ती है। ऐसे में इन सैनिकों के घर वालों के दर्द को समझ पाना बहुत कठिन होता है। सरकार ने 1949 से सशस्त्र सेना झंडा दिवस मनाने का निर्णय लिया। देश की सुरक्षा में शहीद हुए सैनिकों के आश्रितों के कल्याण हेतु सशस्त्र सेना झंडा दिवस मनाया जाता है। इस दिन झंडे की खरीदी से होने वाली आय शहीद सैनिकों के आश्रितों के कल्याण में खर्च की जाती है। सशस्त्र सेना झंडा दिवस द्वारा इकट्ठा की गई राशि युद्ध वीरांगनाओं, सैनिकों की विधवाओं, भूतपूर्व सैनिक, युद्ध में अपंग हुए सैनिकों व उनके परिवार के कल्याण पर खर्च की जाती है।

सशस्त्र सेना झंडा दिवस देश की सशस्त्र सेना के वीर बहादुर सैनिकों और शहीदों को सम्मान देने और बुजुर्ग सैनिकों और शूरवीर को सलाम करने के भाव को प्रदर्शित करता है। इस मौके पर बच्चों ने विद्यालय में सांस्कृतिक कार्यक्रम में निबंध, देशभक्ति गीत प्रस्तुत किए, छात्र-छात्राओं ने सेना और देश के ध्वज बनाकर प्रदर्शन किया। झंडे और स्टिकर भेंट कर सहयोग धनराशि एकत्रित की। कार्यक्रम में प्रधान पाठक बी आर हितकर, संकुल समन्वयक जीडी सिंह, शिक्षक महेंद्र पटेल, अनीता सिंह, योगेश साहू कृष्णा यादव, सविता साहू, रघुनाथ जायसवाल, भृत्य सरिता सिंह एवं सभी छात्र-छात्राओं ने सहयोग दिया।

न्यूयॉर्क में यहूदी धर्मस्थल के बाहर गोलीबारी

लगाए गए फलस्तीन की आजादी के नारे; पुलिस हिरासत में आरोपी

न्यू यॉर्क,08 दिसम्बर 2023। न्यूयॉर्क के ऊपरी हिस्से में गुरुवार को हनुक्का शुरू होने से कुछ घंटे पहले एक व्यक्ति ने यहूदी धर्मस्थल के बाहर दो बार बंदूक से गोलीबारी की। इस दौरान उसने फलस्तीन की आजादी के नारे भी लगाए। हालांकि, पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया है। इस घटना में किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है।

आरोपी ने लगाए फलस्तीन की आजादी के नारे

अधिकारियों के अनुसार इस्राइली धर्मस्थल के बाहर गोलीबारी दोपहर के दो बजे के करीब हुई। पुलिस ने 28 वर्षीय युवक को हिरासत में ले लिया है। हिरासत में जाने से पहले आरोपी ने फलस्तीन को मुक्त करो के नारे भी लगाए। पुलिस ने युवक की पहचान नहीं की, लेकिन राज्यपाल कैथी होचल ने बताया कि युवक की पहचान स्थानीय नागरिक के तौर पर की गई है। गोली चलने के 10 मिनट बाद एक राहगीर ने आरोपी से बातचीत की। घटनास्थल पर पुलिस के पहुंचते ही उसने अपनी बंदूक गिरा दी।

यह फायरिंग इस्राइल-हमास युद्ध के कारण गाजा में लगातार हो रहे हमले को देखते हुए की गई थी। अधिकारी ने बताया कि इस मामले की जांच घृणा अपराध के तौर पर की जा रही है और इसमें किसी अन्य के शामिल होने की आशंका नहीं है। अल्बनी की मेयर केथी शीहन ने बताया कि जब गोलचली तब बच्चे इमारत के अंदर प्रीस्कूल में थे। राज्यपाल होचल ने बताया कि स्थिति को देखते हुए इलाके में लॉकडाउन लगाया गया और बाद में बच्चों को उनके माता-पिता के पास भेज दिया गया। राज्यपाल ने बताया कि न्यू यॉर्क नेशनल गार्ड और स्थानीय पुलिस को हाई अलर्ट पर रहने के निर्देश दिए गए हैं।

नागरिकों की रक्षा सबसे जरूरी, इस्राइल-हमास युद्ध के बीच बाइडन ने किया नेतन्याहू को फोन

यरुशलम,08 दिसम्बर 2023 । पश्चिम एशिया के गाजा में 47 दिनों के हिंसक संघर्ष में अब तक 15 हजार से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। बीते सात अक्तूबर से शुरू हुआ रक्तपात 24 नवंबर को कतर की प्रभावी मध्यस्थता और हस्तक्षेप के बाद कुछ दिनों तक थमा रहा था। हालांकि, एक बार फिर इस्राइल-हमास के बीच युद्ध शुरू हो गया है। ऐसे में अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने आम लोगों की रक्षा करने के लिए इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से फोन पर बातचीत की। अमेरिकी राष्ट्रपति ने गुरुवार को नेतन्याहू से फोन पर बातचीत के दौरान कहा कि गाजा के सबसे बड़े शहरों के आसपास भारी शहरी संघर्ष के बीच नागरिकों की रक्षा करना बेहद जरूरी है। व्हाइट हाउस के अनुसार, राष्ट्रपति ने नागरिकों की रक्षा करने और हमास से नागरिक आबादी को अलग करने की महत्वपूर्ण आवश्यकता पर जोर दिया।

प्रशिक्षण के दौरान एफ-15 लड़ाकू विमान दुर्घटनाग्रस्त,चालक दल के दो सदस्यों की मौत

रियाद,08 दिसंबर 2023। रॉयल सऊदी एयर फोर्स का एफ-15एसए लड़ाकू विमान कथित तौर पर एक नियमित प्रशिक्षण मिशन के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिससे विमान में सवार चालक दल के सभी सदस्यों की मौत हो गई। सऊदी रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता तुर्की अल-मलिकी ने पुष्टि की कि घटना दोपहर 12:50 बजे हुई। हादसा पूर्वी शहर धहरान में किंग अब्दुल अजीज़ एयर बेस से एक नियमित प्रशिक्षण मिशन के दौरान हुआ। प्रवक्ता ने कहा कि दुर्घटना की जांच चल रही है। सऊदी गजट वेबसाइट की रिपोर्ट के अनुसार, दुर्घटना में विमान पर सवार चालक दल के दो सदस्यों की मौत हो गई।

मिस्त्र की इस्राइल से कूटनीतिक संबंध तोड़ने की धमकी;

अमेरिका ने गाजा में हमलों को लेकर जताई नाराजगी

तेल अवीव,08 दिसम्बर 2023। गाजा पट्टी में इस्राइली हमलों के चलते बड़ी संख्या में फलस्तीनी लोग गाजा छोड़कर मिस्त्र की सीमा में दाखिल हो रहे हैं। अब इसे लेकर मिस्त्र ने नाराजगी जाहिर की है और धमकी दी है कि अगर उन उनके यहां शरणार्थियों का आना बंद नहीं हुआ तो वह इस्राइल के साथ अपने कूटनीतिक संबंध खत्म कर देंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, गाजा पट्टी से लोग मिस्त्र के सिनाई पेनिनसुला पहुंच रहे हैं।

इस्राइल हमास युद्ध से जुड़े ताजा अपडेट

अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने एक बयान में गाजा पट्टी में मारे जा रहे आम नागरिकों की मौतों पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि दक्षिणी गाजा में इस्राइल की कार्रवाई को एक हफ्ता बीत गया है लेकिन उन्होंने वादा किया था कि आम नागरिकों की सुरक्षा की जाएगी लेकिन उनके वादे और असल नतीजों में अंतर दिख रहा है। वॉशिंगटन में ब्रिटेन के विदेश मंत्री से मुलाकात के दौरान एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कही। वहीं व्हाइट हाउस के राष्ट्रीय सुरक्षा सहयोगी जॉन फिनर ने कहा है कि अमेरिका ने इस्राइल को सामने गाजा में अपनी सैन्य कार्रवाई रोकने के लिए कोई समय सीमा तय नहीं की है। फिनर ने कहा कि अगर अभी लड़ाई रुक जाती है तो इससे हमास का खतरा बना रहेगा। इस्राइल ने संयुक्त राष्ट्र को संकेत दिए हैं कि वह केरेम शालोम क्रॉसिंग को जल्द खोल सकता है ताकि गाजा में मानवीय मदद पहुंचाने में तेजी आ सके। फिलहाल इसे लेकर बातचीत चल रही है। वहीं युद्ध के चलते गाजा में मानवीय संकट गहरा गया है। हजारों फलस्तीनी अमानवीय परिस्थितियों में रहने को मजबूर हैं। संयुक्त राष्ट्र के प्रमुख ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से अपील की है कि वह इस मानवीय आपदा को रोकने के लिए तुरंत कदम उठाए। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, गाजा में रहने वाली 80 फीसदी आबादी अपने घर छोड़कर पलायन कर चुकी है। गाजा में टेलीकॉम सेवाएं बंद है और खाने-पानी और दवाईयों की भी समस्या हो रही है। वहीं हिजबुल्ला के एंटी टैंक मिसाइल के हमले में दो इस्राइली सैनिकों के घायल होने की खबर है। इस्राइली सेना ने बताया कि हमला लेबनान सीमा पर शतुला इलाके में हुआ। वहीं हिजबुल्ला के हमले के जवाब में इस्राइली सेना ने भी हिजबुल्ला के उन ठिकानों पर बमबारी की, जहां से हमले हुए।

महिला के बेघर होने के डर का फायदा उठा किया दुर्व्यवहार, मानव तस्करी के आरोप में भारतीय मोटल मैनेजर को जेल

वॉशिंगटन,08 दिसम्बर 2023 । जॉर्जिया में एक भारतीय मोटल प्रबंधक को गुलामी के लिए एक महिला की तस्करी करने के जुर्म में 57 महीने जेल की सजा सुनाई गई है। इसके अलावा, सात लोगों को 40 हजार डॉलर से अधिक का भुगतान करने का आदेश दिया गया है।

पीड़िता की थी मजबूरी

अदालत के दस्तावेजों के अनुसार, 71 साल के श्रीश तिवारी ने सन् 2020 में जॉर्जिया के कार्टर्सविले में बजटेल मोटल का काम शुरू किया था। इसी दौरान उसने एक महिला को मोटल में नौकरानी के रूप में काम पर रखा और उसे रहने के लिए एक कमरा दिया। तिवारी को पता था कि पीड़िता पहले ही बेघर हो चुकी है। वह नशे की लत से जूझ रही थी और अपने छोटे बच्चे की कस्टडी खो चुकी थी।

ऐसे दिया सहारा

तिवारी ने पीड़िता से वादा किया था कि वह उसे वेतन और रहने के लिए एक अपार्टमेंट देगा। इसके अलावा उसके बच्चे को हासिल करने में उसकी मदद करने के लिए भी कहा था। लेकिन तिवारी ने बाद में ऐसा कुछ नहीं किया। बल्कि पीड़िता को मोटल में आने वाले लोगों से भी बात करने को मना कर दिया। इतना ही नहीं, पीड़िता अपने घरवालों से बात करना बंद कर दें, इसके लिए उसे बरगलाया कि उसके घरवाले उसकी परवाह नहीं करते हैं।

कानून प्रवर्तन को नशे की ...

अभियोजकों ने कहा कि तिवारी ने पीड़िता के साथ यौन संबंध बनाए और अक्सर उसे मोटल से निकालने की धमकी देता था। साथ ही उसके नशे के सेवन की जानकारी कानून प्रवर्तन या बाल कल्याण एजेंसियों को देने की भी धमकी देता था। पीड़िता ने बताया कि तिवारी ने एक दिन उसे रात में कमरे से बाहर निकालकर अंदर से बंद कर लिया था और उसे धमकी दी थी कि अगर उसे रहना है तो शारीरिक संबंध बनाने होंगे।

कहीं भी हो सकती है मानव तस्करी

न्याय विभाग के नागरिक अधिकार प्रभाग की सहायक अटॉर्नी जनरल क्रिस्टन क्लार्क ने कहा, मानव तस्करी कहीं भी हो सकती है क्योंकि तस्कर किसी की कमजोरियों की पहचान करने में माहिर होते हैं। कमजोरी पहचान कर व्यक्ति को उम्मीद देते हैं और उनका फायदा उठाते हैं।

उन्होंने कहा कि अदालत आरोपी के खिलाफ मुकदमा चलाने और सजा सुनाने का इरादा रखता है ताकि ऐसे किसी भी व्यक्ति को कड़ी चेतावनी मिल सके। गृह सुरक्षा जांच (एचएसआई) अटलांटा के कार्यवाहक विशेष एजेंट इन चार्ज ट्रैविस पिकार्ड ने कहा कि तिवारी ने पीड़िता के बेघर होने के डर का इस्तेमाल कर उसके साथ गलत व्यवहार किया।

अमेरिका में मानव तस्करी के आरोप में भारतीय मोटल मैनेजर को जेल

न्यूयॉर्क,08 दिसंबर 2023। अमेरिकी राज्य जॉर्जिया में 71 साल के एक भारतीय मोटल प्रबंधक को एक महिला की तस्करी करने के जुर्म में 57 महीने जेल की सजा सुनाई गई है। भारतीय नागरिक और कानूनी तौर पर अमेरिका के स्थायी निवासी श्रीश तिवारी को 42,648 डॉलर का भुगतान करने का आदेश भी दिया गया है।

न्याय विभाग के नागरिक अधिकार प्रभाग के सहायक अटॉर्नी जनरल क्रिस्टन क्लार्क ने कहा, मानव तस्करी कहीं भी हो सकती है। तस्कर कमजोरियों की पहचान करने में माहिर होते हैं। कमजोरी पहचान कर व्यक्ति को उम्मीद देते हैं और उनका फायदा उठाते हैं।

क्लार्क ने कहा, यह सजा और इस जघन्य श्रम तस्करी योजना से बचे लोगों के लिए सुरक्षित मुआवजा यह स्पष्ट करता है कि न्याय विभाग किसी भी व्यक्ति पर मुकदमा चलाने के लिए प्रतिबद्ध है, जो अपनी सत्ता की स्थिति का खुलेआम शोषण करता है।

न्याय विभाग की एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि अदालत के दस्तावेजों के अनुसार, श्रीश तिवारी ने 2020 में कार्टर्सविले में बजटेल मोटल का काम शुरू किया था।

बेरुत को गाजा बना देंगे,अगर...इस्राइली

पीएम ने लेबनान-हिजबुल्ला को दी धमकी

तेल अवीव,08 दिसम्बर 2023 । इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने धमकी दी है कि अगर हिजबुल्ला ने दक्षिणी लेबनान से इस्राइल के खिलाफ दूसरा मोर्चा खोलने की कोशिश की तो वह बेरुत को गाजा में तब्दील कर देंगे। नेतन्याहू ने कहा कि अगर हिजबुल्ला ने तय कर लिया है कि वह युद्ध करेगा तो वह अपने हाथों से बेरुत और दक्षिणी लेबनान को गाजा और खान यूनिस में तब्दील कर देंगे।

इस्राइली सेना के नॉर्दर्न कमांड मुख्यालय में कही ये बात

बेंजामिन नेतन्याहू इस्राइली सेना के नॉर्दर्न कमांड के मुख्यालय पहुंचे थे। इसी दौरान उन्होंने हिजबुल्ला को यह धमकी दी। बता दें कि इस्राइली सेना की नॉर्दर्न कमांड ही हिजबुल्ला के हमलों का जवाब देती है और लेबनान बॉर्डर पर सुरक्षा करती है। बता दें कि हमास के 7 अक्तूबर के हमले के बाद इस्राइल ने गाजा पट्टी में हमास के खिलाफ युद्ध छेड़ रखा है, जिसमें अभी तक गाजा पट्टी में 17,177 लोगों की मौत हो चुकी है, इनमें 7 हजार बच्चे शामिल बताए जा रहे हैं। वहीं हमास के हमले में इस्राइल में 1400 लोगों की मौत हुई थी और 240 लोगों को बंधक बनाया गया था।

इस्राइली सेना उत्तरी गाजा में अपना ऑपरेशन चला चुकी है, जिसमें बड़ी संख्या में हमास के आतंकियों को मारने का दावा किया जा रहा है। अब इस्राइली सेना गाजा के दक्षिणी हिस्से पर फोकस कर रही है। वहीं लेबनान के कट्टरपंथी संगठन हिजबुल्ला ने हमास का समर्थन किया है। इसके चलते आए दिन हिजबुल्ला की तरफ से इस्राइल पर हमले किए जा रहे हैं और इस्राइली सेना भी इसके जवाब में लेबनान की सीमा में हमले कर रही है। अब अगर इस्राइल और हिजबुल्ला के बीच खुलकर लड़ाई शुरू हो जाती है तो फिर पश्चिम एशिया में हालात काफी खराब हो सकते हैं।

हिजबुल्ला के हमले में दो इस्राइली सैनिक घायल

बता दें कि नेतन्याहू की यह धमकी ऐसे वक्त आई है जब लेबनान सीमा पर हिजबुल्ला के एंटी टैंक मिसाइल के हमले में इस्राइली सेना के दो सैनिक घायल हो गए हैं। इसके जवाब में इस्राइली सेना ने भी हिजबुल्ला के ठिकानों पर बमबारी की है और उसके कई ठिकानों को तबाह कर दिया है। इस्राइली सेना ने इसका वीडियो भी जारी किया है।

बेरोजगारों के लिए रोजगार के अवसर

प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना के तहत उद्यम स्थापित करने हेतु आवेदन

- संवाददाता -
अम्बिकापुर, 08 दिसम्बर 2023 (घटती-घटना)।

महाप्रबंधक, जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र ने बताया कि खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों के विकास एवं मौजूदा सूक्ष्म खाद्य उद्यमों के वित्तिय, तकनिकी एवं कारोबार सहायता हेतु प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना (पीएम एफएमई) के अंतर्गत जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, अम्बिकापुर (सरगुजा) में आवेदन पत्र आमंत्रीत किया जा रहा है। योजना के तहत नवीन सूक्ष्म खाद्य उद्योग स्थापित करने एवं पूर्व स्थापित खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों को विस्तार करने हेतु राष्ट्रीयकृत बैंकों के माध्यम से ऋण उपलब्ध कराये जाने का प्रावधान है। योजना के तहत प्रत्येक उद्योग हेतु सभी वर्गा में 35 प्रतिशत अनुदान (छूट) का प्रावधान है। योजनांतर्गत लाभार्थी का योगदान न्यूनतम 10 प्रतिशत होना चाहिए। शेष बैंक से ऋण के रूप में मिलेगा। आवेदक योजना के तहत ऑनलाईन माध्यम से पीएम एफएमई की वेब पोर्टल www.pmfme.mofpi.gov.in/ पर जाकर आवेदन कर सकते है या योजना के तहत क्षेत्र स्तरीय सहायता के लिए नियोजन जिला रिसोर्स पर्सन (डी.आर.पी.) संतोष सिंह मो.नं. 9826442950 एवं धर्मेंद्र कुमार गुप्ता मो. नं. 6264006545 से संपर्क कर आवेदन हेतु सहायता प्राप्त कर सकते है। साथ ही योजना के तहत विस्तृत जानकारी एवं आवेदन हेतु कार्यालय, महाप्रबंधक, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र,अम्बिकापुर में भी सम्पर्क कर सकते हैं।

वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से नीति आयोग द्वारा आकांक्षी ब्लॉकों और जिलों की डेल्टा रैंकिंग के संबंध में हुई बैठक

- संवाददाता -
बैकुण्ठपुर,08 दिसम्बर 2023 (घटती-घटना)।

आकांक्षी ब्लॉकों और आकांक्षी जिलों की डेल्टा रैंकिंग के संबंध में नीति आयोग द्वारा वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक का आयोजन हुआ। बता दें की नीति आयोग द्वारा एस्पिरेशनल ब्लॉक प्रोग्राम (एबीपी) की पहली डेल्टा रैंकिंग जारी की गई है। आकांक्षी जिला कार्यक्रम स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा, जल संसाधन वित्तीय समावेशन एवं कौशल विकास आदि सूचकांक के आधार पर जिलों की रैंकिंग होती है। वीडियो कांफ्रेंस के पश्चात कलेक्टर विनय कुमार लंगेह द्वारा बैठक की समीक्षा भी की गई जिस दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी सहित सभी विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

समीक्षा बैठक में कलेक्टर लंगेह ने संबंधित अधिकारियों को जिले के डेल्टा रैंकिंग में वृद्धि करने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए जिसके साथ उन्होंने सभी विभाग प्रमुखों को विभागवार जानकारी नीति आयोग की एमआईएस पोर्टल पर अपडेट करने के लिए निर्देशित किया। जिला सांख्यिकी अधिकारी अलेक्जेंडर केरकेट्टा ने बताया कि आकांक्षी जिला एवं ब्लॉक कार्यक्रम 2023 का मुख्य उद्देश्य नागरिकों के जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए ब्लॉक स्तर पर में सुधार करना और बेहतर बनाना है,इस कार्यक्रम को देश के 329 जिलों के 500 आकांक्षी ब्लॉकों में लागू किया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री पद के दावेदारों को लेकर उनके समर्थक अलग-अलग अनुमान लगा रहे हैं वहीं आम जनता की पसंद डॉ रमन सिंह माने जा रहे है...

भारतीय जनता पार्टी जनता के पसंद से मुख्यमंत्री चुनेगी या फिर मुख्यमंत्री पद के दावेदारों के समर्थकों के पसंद से ?

डॉ रमन सिंह तीन बार के मुख्यमंत्री हैं और उन्हें प्रदेश चलने का अच्छा अनुभव है

केंद्र में कांग्रेस की सरकार होने के बावजूद उन्होंने 10 साल बतौर मुख्यमंत्री अच्छा काम राज्य के लिए किया...

2023 का विधानसभा चुनाव भी रमन वर्सेस भूपेश बघेल देखा गया

छत्तीसगढ़ में स्टार प्रचारक के रूप में डॉक्टर रमन सिंह की मांग भी ज्यादा देखी गई थी

-विशेष संवाददाता-
सरगुजा/रायपुर 08 दिसम्बर 2023 (घटती-घटना)।
विधानसभा चुनाव संपन्न हुआ है और तीन राज्यों में भाजपा की सरकार आ चुकी है तीनों राज्यों में मुख्यमंत्री बनने के लिए जद्दोजहद शुरू है, समर्थक अपने-अपने मुख्यमंत्री पद के दावेदारों का समर्थन करके सोशल मीडिया सहित कई न्यूज़ चैनलों में उन्हें मुख्यमंत्री बनाने की खबर चलवा रहे हैं, कोई यज्ञ कर रहा है तो कोई अलग तर्ज पर अपना दावा रख रहा है लेकिन कोई यह नहीं जानना चाहता है कि जनता किसे मुख्यमंत्री देखना चाहती है, इसी वजह से कई बार गलत फैसला ले लिए जाते हैं, लेकिन यदि जनता की राय पर विचार किया जाएगा तो वह व्यक्ति मुख्यमंत्री पद और प्रदेश के लिए ज्यादा अच्छा होगा,क्योंकि जनता के जनाधार ने ही सरकार दिलाई है इसलिए जनता से पूछ कर ही मुख्यमंत्री बनाना ज्यादा उचित होगा, नहीं तो छत्तीसगढ़ में पुरानी कांग्रेस सरकार के जैसा हाल एक बार फिर दोहराया जा सकता है, छत्तीसगढ़ प्रदेश में मुख्यमंत्री के दावेदारों के कई नाम चल रहे हैं और उनके समर्थक उनके लिए खूब जोर जोर से प्रचार प्रसार कर रहे हैं कि मुख्यमंत्री उन्हें ही मिल जाए पर वही जो प्रचार नहीं कर रहे सिर्फ उनके दिल में ही यह दफन है कि प्रदेश का मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह हो उनकी बातें भाजपा के विशेष नेतृत्व तक कैसे पहुंचेगी यह भी बड़ा सवाल है, कई जिले के आम लोगों से बातचित में पता चला कि सभी लोग पुराने मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह को ही इस बार भी मुख्यमंत्री बनता देखना चाह रहे हैं, इसकी वजह पूछने पर उनका कहना है कि उनके नेतृत्व में उन्होंने 15 साल देखा है अब यदि किसी नए के हाथ में प्रदेश की कमान तत्काल दिया जाता है तो हो सकता है कि कांग्रेस की सरकार जैसा हाल ना हो जाए, डॉ. रमन सिंह ने 15 साल बहुत अच्छे तरीके से छत्तीसगढ़ को चलाया और एक अलग पहचान प्रदेश को दी थी, वही पहचान आगे भी बरकरार रहे इसलिए डॉ. रमन सिंह का ही मुख्यमंत्री बनना ज्यादा अच्छा होगा छत्तीसगढ़ के लिए। वैसे यदि प्रदेश में इस बार के चुनाव को समझा जाए तो प्रदेश में कांग्रेस की तरफ से चेहरा जहां भूपेश बघेल थे जो लगभग तय चेहरा थे भले ही टी एस सिंहदेव अलग विश्वास में थे वहीं भाजपा ने भले ही अपना चेहरा मुख्यमंत्री का समाने नहीं रखा था फिर भी डॉ. रमन सिंह को लेकर ही लोगों के मन में एक विचार चल रहा था जो लगातार चुनाव प्रचार के दौरान सुनने और देखने को मिलता था और जनचर्चा भी यही रहती थी की भाजपा की सत्ता में वापसी होने पर डॉ.रमन सिंह ही प्रदेश के मुख्यमंत्री होंगे।

कांग्रेस के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने पांच साल डॉक्टर रमन सिंह का विरोध किया

कांग्रेस ने भी अपने पांच साल के कार्यकाल में डॉक्टर रमन सिंह को ही सबसे ज्यादा बदनाम करने का प्रयास भी किया, वहीं स्वयं मुख्यमंत्री रहते हुए भूपेश बघेल ने भी डॉक्टर रमन सिंह को अपने कार्यकाल के पांच सालों तक किसी न किसी तरह घेरने का प्रयास किया। कांग्रेस से प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने यहां तक की डॉक्टर रमन सिंह के विरुद्ध प्रत्याशी भी अपने सबसे करीब के व्यक्ति को बनाया और कहीं न कहीं उन्हे निपटाने का पूरा प्रयास किया जिसमे वह असफल रहे। डॉक्टर रमन सिंह के कार्यकाल के कई विकास कार्यों को लेकर भूपेश बघेल ने जांच की भी बात की कई काम को रोका भी डॉक्टर रमन सिंह के कार्यकाल की कई महत्वाकांक्षी योजनाओं को उन्होंने सिरे से बंद करने का काम किया जिससे भी जाहिर हुआ की भूपेश बघेल सहित कांग्रेस की पूरी सरकार भी अपना प्रमुख प्रतिद्वंदी डॉक्टर रमन सिंह को ही मानकर चल रही थी और उन्हे घेरे रखने की पूरी कोशिश वह पूरे पांच साल करते रहे। जांच सहित कई आरोप भी डॉक्टर रमन सिंह पर भूपेश बघेल सहित उनकी सरकार ने लगाए कोई भी वह साबित नहीं कर पाए और सत्ता से बेदखल हो गए लेकिन कांग्रेस अपने सत्ता काल के दौरान डॉक्टर रमन सिंह को लेकर ही उनकी लोकप्रियता को लेकर ही परेशान देखी गई।

रमन के पन्द्रह साल के कार्यकाल का तोड़ कांग्रेस का पास भी नहीं था

भाजपा ने प्रदेश में शानदार वापसी की और कहीं न कहीं इस दौरान जनता ने डॉक्टर रमन सिंह के पन्द्रह साल के कार्यकाल को देखकर ही पुनः भाजपा को प्रदेश की कमान सौंपी है ऐसे में डॉक्टर रमन सिंह की जगह किसी अन्य पर दांव लगाना भाजपा के लिए उसके भविष्य के लिए खतरनाक न साबित हो जाए यह उसे ध्यान रखना होगा। डॉक्टर रमन सिंह बतौर मुख्यमंत्री कभी भी अक्रामक होकर राजनीति करते नहीं देखे गए उन्होंने कभी भी सत्ता में रहते हुए भाजपा संगठन से भी तालमेल खराब नहीं किया उनके कार्यकाल में विधायकों से भी उनके उनकी नजदीकी बनी रही और कभी उनके विरोध में स्वर विधायकों के नहीं उठे जबकि कांग्रेस के पांच सालों के कार्यकाल में भूपेश बघेल के नेतृत्व में कांग्रेस में न तो संगठन के साथ सत्ता का तालमेल देखा गया न ही विधायकों को ही एकजुट देखा गया कुल मिलाकर सत्ता में रहते हुए कांग्रेस का आंतरिक कलह लगातार पांच सालों तक जारी रहा जिसका नतीजा परिणामों को देखकर लगाया जा सकता है।

मुख्यमंत्री की रेस में यह भी है...

वैसे यदि छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री की रेस में शामिल भाजपा नेताओं का नाम देखा जाए तो रेणुका सिंह,अरुण साव,ओ पी चौधरी भी इस दौड़ में शामिल हैं लेकिन सभी डॉक्टर रमन सिंह के कार्यकाल में उनके बेहतर कार्यकाल के साक्षी रह चुके हैं यहां तक की ओ पी चौधरी ने उन्हीं के नेतृत्व आईएएस की नौकरी छोड़कर भाजपा का दामन थामा था,इधर पांच सालों के विपक्ष के कार्यकाल में भी डॉक्टर रमन सिंह ही विपक्ष की तरफ से सत्ताधारी दल के लिए मुख्य मुद्दा थे यह भी कहना गलत नहीं होगा,कुल मिलाकर इस बार का भी चुनाव भले ही भाजपा ने चेहरा आगे नहीं किया था डॉक्टर रमन सिंह के ही चेहरे पर चुनाव लड़ा था जैसा जनता का मानना है ऐसे में उनकी अनदेखी भी भाजपा करने वाली है ऐसा लगता नहीं है।

डॉक्टर रमन सिंह के पन्द्रह साल के कार्यकाल की उपलब्धियों में यह शामिल

वैसे डॉक्टर रमन सिंह के पन्द्रह साल के कार्यकाल की उपलब्धियों की बात की जाए तो छत्तीसगढ़ में धान के समर्थन मूल्य को लेकर उनकी चिंता हमेशा दिखी थी वहीं उनका लोक सुराज जैसा अभियान भी काफी लोकप्रिय हुआ था जिससे प्रशासनिक कसावट बनी ही रही थी प्रदेश में नौकरशाहों को लेकर भी उनका कार्यकाल ऐसा था की अराजकता देखने सुनने को नहीं मिली थी शिक्षाकर्मी प्रथा का अंत भी डॉक्टर रमन सिंह की ही देन थी जिससे प्रदेश में कांग्रेस शासनकाल में मृत घोषित कर दिए गए शासकीय शिक्षक संवर्ग को उन्होंने जीवित किया था। डॉक्टर रमन सिंह के कार्यकाल में ही चावल नमक चना जैसी योजनाएं लागू हुई थीं जो आज पूरे देश में धीरे धीरे लागू हो रही योजना है चावल वाले बाबा ऐसे ही उनका नाम नहीं पड़ा था उनकी गरीबों को लेकर सोच ही इसका मूल था, रायपुर शहर में स्काई वाक योजना जिसे वर्तमान सरकार ने रोक दिया था अब उसके भी पूरा होने की उम्मीद रायपुर वासियों को है वह भी डॉक्टर रमन सिंह की एक बेहतर योजना सोच थी जो शहर की सुंदरता के लिए महत्वपूर्ण साबित होती।

कांग्रेस के हार का दोषी ईवीएम

आज कांग्रेस ईवीएम पर दोष देकर खुद को सांत्वना दे रही है जबकि खुद कांग्रेस पहले ही चरण के मतदान के बाद समझ चुकी थी की बस्तर सहित 20 सीटों पर उसे नुकसान हो चुका है और जिसके बाद ही महिलाओं के लिए 15 हजार की घोषणा खुद मुख्यमंत्री को करनी पड़ी जिसमे कांग्रेस विलंब कर गई जबकि सत्ता विरोधी लहर आगे निकल चुकी थी, कांग्रेस सत्ता से बेदखल हुई इसके पीछे की एक और वजह भी यह रही की अधिकांश जगह जहां परिणाम उलट आए वहां कार्यकर्ता भी अपने अपने प्रत्याशी को निपटाने में लगे हुए थे और वह सत्ता तो चाह रहे थे लेकिन अपना प्रत्याशी वह विधानसभा में नहीं भेजना चाहते थे और इसी तरह एक एक करके प्रत्याशी हारते चले गए और भाजपा ने कांग्रेस के आंतरिक कलह की वजह से जीत दर्ज कर ली। अब भाजपा सत्ता में वापसी कर चुकी है और सामने लोकसभा का चुनाव है और प्रदेश में 11 लोकसभा सीटें हैं जहां भाजपा को अधिकतम सीटें निकालनी हैं केंद्र की सत्ता तक जाने के लिए इसके लिए उसे सोच समझकर ही मुख्यमंत्री का चेहरा तय करना होगा जिसके लिए डॉक्टर रमन सिंह से बेहतर चेहरा शायद ही कोई साबित हो क्योंकि जनता के मन में फिलहाल उन्हीं का नाम सबसे ऊपर है। वैसे भाजपा निर्णय लेने में सभी पहलुओं पर विचार करती है और वह जरूर जनता की भावनाओ का ध्यान रखेगी ऐसा लगता है।

मुख्य सड़क से लगी पंचायत भवन एवं पटवारी कार्यालय के ठीक सामने की लाखों की शासकीय भूमि पर हो रहा अवैध कब्जा

ग्राम पंचायत के बीचो-बीच शासकीय भूमि के अवैध कब्जे पर कई सवाल,छड़-कंक्रीट की पक्की दीवार बनाकर किया गया कब्जा

-रवि सिंह-
कोरिया,08 दिसम्बर 2023 (घटती-घटना)।
शासकीय भूमि पर अवैध कब्जे का यह मामला विकासखंड बैकुंठपुर से कुछ किलोमीटर की दूरी पर स्थित ग्राम पंचायत अमहर का है । जहां ग्राम पंचायत भवन एवं पटवारी कार्यालय के सामने चंद कदम की दूरी पर मुख्य मार्ग पर स्थित शासकीय भूमि पर गैर कानूनी तरीके से कब्जाधारी ने पक्की दीवार बनाकर अवैध कब्जा कर लिया है। मुख्य सड़क से लगी यह भूमि लाखों की है। जहां एक ओर शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए पंचायत स्तर पर शासकीय भूमि की अनुपलब्धता सामान्य सी बात हो गई है। वहीं दूसरी ओर राजस्व विभाग के रीढ की हड्डी कहे जाने वाले पटवारी कार्यालय के ठीक सामने शासकीय भूमि पर अवैध कब्जे का हो जाना कई सारे सवालों को जन्म देता है। वहीं इस मामले में जबकि भूमि पंचायत के बीचो-बीच और ग्राम पंचायत भवन के ठीक सामने स्थित है, पंचायत प्रतिनिधियों की चुप्पी और चुपचाप कब्जाधारीयों का मौन समर्थन बड़े मिली भगत की ओर इशारा करता है। मामला कुछ इस प्रकार का है कि ग्राम पंचायत अमहर में ग्राम पंचायत भवन और पटवारी कार्यालय के सामने की सड़क के पार मुख्य मार्ग से लगी खसरा नंबर 531 एवं 533 भूमि अजय कुशवाहा एवं अरविंद कुशवाहा के संयुक्त नाम पर है। इसी से संलग्न खसरा नंबर 530 एवं खसरा नंबर 532 की भूमि शासकीय है। कब्जाधारियों ने मुख्य मार्ग से ही पक्की दीवार खींचकर इन दोनों खसरा नंबर की शासकीय भूमियों को अवैध कब्जा कर लिया है। जब इस भूमि पर अवैध कब्जे की नीयत से दीवार खड़ी की जा रही थी, तब तत्कालीन पटवारी ज्योति नेताम ने मौखिक आपत्ति की थी। और दीवार उठाने से मना किया था। जिस कारण अवैध कब्जाधारियों में उक्त भूमि के सामने तत्काल में दीवार खड़ा नहीं किया था। बाद में जाने किस प्रकार की सांठगांठ हुई, वर्तमान में अपने निजी स्वामित्व की भूमि के अलावा कब्जाधारियों ने शासकीय भूमि पर भी अवैध पक्की दीवार बनाकर कब्जा कर लिया है। जबकि ठीक इसी भूमि के सामने ग्राम पंचायत कार्यालय एवं पटवारी कार्यालय स्थित है। यहां प्रतिदिन सरपंच, सचिव, अन्य जन प्रतिनिधियों के अलावा पटवारी का आना-जाना है। बावजूद इसके अवैध कब्जे पर किसी प्रकार का सवाल ना उठाना, पटवारी द्वारा किसी प्रकार की कार्यवाही का ना किया जाना एवं पंचायत प्रतिनिधियों का मौन मुक समर्थन सबकी मिली भगत का इशारा करता है।

दीवार बनाते समय पटवारी ने की थी मौखिक आपत्ति, बाद में जाने क्या हुआ,बन गई पक्की दीवार

सूत्रों के अनुसार एवं पंचायत में निर्वाचित एक प्रतिनिधि ने बताया कि जब अवैध कब्जे की नीयत से अरविंद कुशवाहा एवं अजय कुशवाहा ने दीवार खड़ी करनी प्रारंभ की तो पटवारी कार्यालय से निकलते समय महिला पटवारी ने शासकीय भूमि के सामने दीवार खड़ी करने से मना किया था। हालांकि तब तक कब्जाधारियों ने कालम और बीम खड़ा कर दिया था। पर पटवारी के मौखिक आपत्ति के बाद उन्होंने कुछ दिनों तक ईट की जोड़ाई नहीं की। बाद में शीघ्रता से एक ही दिन में दीवार खड़ी कर अवैध कब्जे को अंजाम दिया गया। अवैध कब्जे के पूरे मामले में बड़ा सवाल यह है कि पटवारी के मौखिक आपत्ति के बाद जिस कार्य को कुछ समय के लिए रोका गया था, बाद में ऐसा क्या हुआ कि इस अवैध कार्य को अंजाम दिया गया। जबकि वही पटवारी आज तक अमहर कार्यालय में पदस्थ हैं। और प्रतिदिन उनका इस अवैध कब्जे के सामने से आना जाना है।

जिन्होंने किया अवैध कब्जा उनमें से एक कानून का जानकार और दूसरा कांग्रेस का सिपाहसालार

शासकीय भूमि पर अवैध कब्जे का आरोप जिन दो भाइयों पर लग रहा है, उनमें से एक अरविंद कुशवाहा कानून के जानकार हैं। और उनके भाई अजय कुशवाहा के कांग्रेसियों से सीधे संपर्क हैं। सवाल यह उठता है कि क्या कांग्रेस शासन का नाजायज फायदा अवैध कब्जे के रूप में इनके द्वारा उठाया गया? क्या अब सत्ता शासन बदलने के बाद इस मामले में कार्यवाही होगी? शासकीय संपत्तियों पर अवैध कब्जे के ऐसे मामले आते रहते हैं, परंतु उचित कार्यवाही होने के अभाव में ऐसे अवैध कब्जाधारियों के हौसले बुलंद होते जाते हैं, जिसका खामियाजा अन्य आम जनता को भुगतना पड़ता है।

विगत वर्ष सहकारी समिति में अवैध रूप से रकबा बढ़ाकर धान बेचने के मामले में कब्जाधारी धारा 420 के तहत काट चुके हैं फरारी

ग्राम पंचायत अमहर के सड़क से लगे शासकीय भूमि के अवैध कब्जे के मामले में जिन दो भाइयों का नाम आ रहा है, इन्होंने विगत वर्ष भी शासन को चूना लगाने की नीयत से बड़े कारनामें किए थे। और वर्तमान में हाई कोर्ट से जमानत पर बाहर चल रहे हैं। विगत वर्ष इन दोनों भाइयों द्वारा तहसील कार्यालय पटना से दूसरे की भूमि को अपने हक में दिखाकर शासकीय सहकारी समिति तरगांवा में अवैध रूप से धान विक्रय किया गया था। मामले का खुलासा होने पर धारा 420 के तहत मामला दर्ज किया गया। जिसमें महीनों फरारी के बाद हाई कोर्ट से धान विक्रय की राशि जमा करने की सशर्त जमानत मिली थी। और वर्तमान में दोनों भाई धोखाधड़ी के मामले में जमानत पर बाहर हैं। अभी अवैध कब्जे के मामले में देखने वाली बात यह होगी कि राजस्व विभाग इसमें किस प्रकार की कार्यवाही करता है, और अपने विभाग के पटवारी के संलिप्तता की जांच किस प्रकार करता है। क्योंकि मामला बड़ा स्पष्ट है। पहली नजर में ही जांच से सारी बातें सामने आ जाएगी। हालांकि पूरे मामले में ग्राम पंचायत के सरपंच, सचिव एवं अन्य जनप्रतिनिधियों की भूमिका भी संदिग्ध है।

कोरिया जिले के बैकुंठपुर विकासखंड में नवनियुक्त शिक्षकों को तीन माह से अपने पहले वेतन का इंतजार

अन्य जिले एवं अन्य विकासखंडो में नियमित मिल रहा वेतन

दूरदराज के ऐसे शिक्षक जो बाहर रह कर दे रहे हैं सेवा, बढ़ी उनकी आर्थिक परेशानी

-रवि सिंह-
कोरिया,08 दिसम्बर 2023 (घटती-घटना)।
विगत कुछ माह पूर्व प्रदेश सरकार द्वारा सरगुजा और बस्तर संभाग के लिए शिक्षकों की भर्ती की गई थी। व्यापम के परीक्षा के माध्यम से इन शिक्षकों की नियुक्ति हुई थी। प्रदेश भर के युवाओं ने प्रतियोगी परीक्षा के माध्यम से शिक्षक के पद पर नियुक्ति प्राप्त की थी। क्योंकि यह नियुक्ति केवल सरगुजा और बस्तर संभाग के लिए थी, तो प्रदेश के अधिकांश युवा जिन्हें यह नौकरी मिली, उन्हें घर से बाहर रहकर नौकरी करनी पड़ रही है। बस्तर और सरगुजा संभाग के अधिकांश विकासखंड में नवनियुक्त शिक्षको को वेतन मिलना प्रारंभ हो चुका है। वहीं कोरिया जिले के बैकुंठपुर विकासखंड में विगत तीन माह से नवनियुक्त शिक्षकों को वेतन का इंतजार है। डीडीओ कार्यालय से पता करने पर वेतन और भत्तों के बारे में उन्हें उचित जानकारी नहीं मिल पा रही। इस कारण नए नियुक्त शिक्षक आर्थिक परेशानियों का सामना करने को मजबूर हैं। कुछ नव नियुक्त शिक्षकों ने घटती घटना को बताया कि उन्हें घर से सैकड़ो किलोमीटर दूर रहकर किराए के कमरों में परिवार सहित जीवन यापन करना पड़ रहा है। इस दशा में क्षेत्र नया होने के कारण उन्हें उधार भी नहीं मिल रहा, जिससे कई सारी परेशानियां सामने आ रही हैं। कोरिया जिले के बैकुंठपुर से सटे अन्य विकासखंड की बात की जाए या अन्य जिलों की बात की जाए तो नव नियुक्त शिक्षकों को विगत माह से ही वेतन प्राप्त होना प्रारंभ हो गया है। क्योंकि अब सारी व्यवस्था ऑनलाइन होती है, अतः बैकुंठपुर विकासखंड में अभी तक नवनियुक्त शिक्षकों का वेतन जारी न होना समझ से परे है।

मिचौंग तूफान का ऐसा असर की किसानों के लिए हुई समस्या की बारिश

इन कारणों से किसानों के माथे पर है चिंता की लकीरें

बेमौसम बारिश से खेत और खलिहान में पड़े धान की फसल पूरी तरह या तो भीग गई है या पानी में डूब गई है। जिसमें अंकुरण आने की पूरी संभावना है। जिससे धान की गुणवत्ता प्रभावित होगी और साथ ही आसमान में बादल छाए रहने के कारण और नमी की वजह से धान की मिजाई का कार्य भी तत्काल प्रारंभ नहीं हो सकता। और यदि धान के गुणवत्ता खराब हो गई तो सहकारी समितियों में ऐसे धान को खरीदने से इनकार किया जा सकता है। इन सब बातों ने किसानों के चेहरे मायूस कर दिए हैं। वही आलू, गेहूं और चने की फसल भी बे मौसम बारिश की वजह से प्रभावित हुई है। जिन किसानों ने समितियों से कर्ज ले रखा है, फसल के बर्बाद होने पर कर्ज पटाने की चिंता भी किसानों को खाये जा रही है।

ठंड बढी,किसानों की फसल हुई खराब

-रवि सिंह-
कोरिया,08 दिसम्बर 2023 (घटती-घटना)।

विगत दो दिनों से बेमौसम हो रहे बारिश ने किसानों के चेहरे पर मायुसी ला दी है। खलिहान और खेतों में कटी धान की फसलों को भारी नुकसान पहुंचा है। इसके अलावा बे मौसम बारिश की वजह से आलू और दलहन तथा तिलहन की फसलों को भी नुकसान पहुंचा है। किसान मायूस नजर आ रहे हैं, और जिन्होंने कृषि के खातिर कर्ज ले रखा है, उन किसानों के चेहरे पर चिंता की लकीरें साफ देखी जा सकती हैं।

बुधवार से शुरू हुई बारिश का दौर गुरुवार देर शाम तक जारी रहा। इसके बाद शुक्रवार को भी पूरे दिन आसमान में बादल छाए रहे, जिसके कारण तापमान में भी अचानक कमी आई है। वर्तमान में लगभग 40 प्रतिशत धान की मिजाई का कार्य पूर्ण हो चुका है। परंतु बेमौसम बारिश की वजह से खेत, खलिहान में पड़े हुए धान खराब हो रहे हैं, और साथ ही उनकी क्वालिटी और गुणवत्ता भी प्रभावित हो रही है। आम आदमी पार्टी के कोरबा लोकसभा प्रभारी डॉ आकाश जायसवाल ने जिला प्रशासन से किसानों को तत्काल राहत देने की मांग की है। जिन किसानों की फसलों का नुकसान हुआ है, इसका आंकलन कर तत्काल मुआवजा राशि वितरण की व्यवस्था बनाने का आग्रह जिला प्रशासन से किया है।

बेमौसम बारिश से धान की फसल को हो रहा है भारी नुकसान,प्रशासन जल्द आंकलन कर किसानों को दे राहतः डॉ. आकाश

प्रधानमंत्री फसल बीमा का नहीं मिल पाता लाभ

यूं तो किसानों को राहत देने के लिए सरकारों द्वारा तरह-तरह के प्रावधान किए जाते हैं। उसी में एक प्रावधान है प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना। परंतु सामान्यतः यह देखा गया है कि आमतौर पर इस योजना का लाभ किसानों तक नहीं पहुंच पाता। और फसल बर्बाद होने की स्थिति में बीमित फसल की जो राशि किसानों तक पहुंचनी चाहिए,वह नहीं पहुंच पाती इसके लिए पूरी तरह प्रशासन जिम्मेदार होता है। क्योंकि सारे प्रकरण विभाग और प्रशासन को तैयार कर बीमा कंपनी को प्रेषित करने होते हैं। आमतौर पर विभाग और प्रशासन इसमें रुचि नहीं लेता, जिससे सीधे तौर पर नुकसान किसानों का होता है। जो किसान सहकारी समितियां एवं अन्य बैंकों से कृषि ऋण लेते हैं, स्वत ही उनका प्रधानमंत्री फसल बीमा हो जाता है और राशि काट ली जाती है। परंतु दुर्लभ से दुर्लभतम प्रकरण में यही देखा गया है की फसल के खराब होने उपरांत भी बीमित फसल की राशि किसानों तक नहीं पहुंच पाती। इसके अलावा क्षेत्र में हजारों ऐसे किसान हैं, जिन्होंने अपनी फसलों का बीमा नहीं कराया है या किसी प्रकार का कृषि ऋण नहीं लिया है, यदि प्रशासन ऐसे किसानों के नुकसान का आंकलन कर राहत नहीं पहुंचाती, तो यह किसानों पर दोहरी मार होगी। आम आदमी पार्टी के बैकुंठपुर विधानसभा प्रत्याशी रहे वर्तमान में कोरबा लोकसभा प्रभारी डॉ आकाश जायसवाल ने जिला प्रशासन से आग्रह किया है कि जिन किसानों ने फसल बीमा लिया हुआ है, उनके नुकसान का आंकलन कर तत्काल प्रकरण तैयार कर किसानों को राहत पहुंचाने की दिशा में पहल की जाए और ऐसे किसान जिनके फसलों का बीमा नहीं है, उन्हें विभाग और प्रशासनिक स्तर पर राहत पहुंचाने हेतु मुआवजा प्रकरण तैयार किया जाना चाहिए। क्योंकि प्रदेश की अर्थव्यवस्था, कृषि और कृषकों के कंधे पर टिकी है। यदि कृषि और कृषकों के कंधे झुक गए और विभाग तथा प्रशासन से उन्हें उचित सहयोग नहीं मिला तो इसका सीधा प्रभाव अर्थव्यवस्था पर देखने को मिलेगा।

नवनिर्वाचित कटघोरा विधायक प्रेमचंद पटेल ने सड़क मार्ग को लेकर एस.ई.सी.एल को दिया अल्टीमेटम

-संवाददाता-
कोरबा,08 दिसम्बर 2023 (घटती-घटना)।

विधानसभा चुनाव में जीत के बाद कटघोरा विधानसभा के नवनिर्वाचित विधायक ने क्षेत्र के जनता से किए गए घोषणाओं को क्रियान्वित करते हुए क्षेत्र के हरदीबाजार-दीपका सड़क मार्ग को लेकर एसईसीएल प्रबंधन को दिया अल्टीमेटम । दीपका हरदीबाजार मार्ग की हालत विगत कई वर्षों से बाद से बदतर हालत में थी इन मार्ग में बड़े बड़े गड्ढे होने के साथ यह मार्ग हमेशा बड़े वाहनों से जाम रहा

करता है जिसे लेकर विधायक कटघोरा ने चुनाव पूर्व क्षेत्र के जनता को आश्वासन दिया था के उनके विधायक बनते ही इस मार्ग को सुधारा जायेगा । इसी विषय को लेकर कटघोरा विधायक प्रेमचंद पटेल ने दीपका महाप्रबंधक अमित कुमार सक्सेना से मुलाकात की। महाप्रबंधक कार्यालय में उन्होंने बैठक में चर्चा के दौरान उन्होंने दो टूक प्रबंधन को चेतावनी देते हुए कहा कि एक महीने के भीतर सड़क निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ तो वह स्वयं सड़क पर खाट बिछाकर बैठ जाएंगे, जिसका जिम्मेदार स्वयं प्रबंधन होगा। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि जनता को होने वाली परेशानी को बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करेंगे। इस पर प्रबंधन ने अपना पक्ष रखते हुए कहा है कि हरदीबाजार से दीपका सड़क मार्ग निर्माण कार्य का 17 करोड़ का टेंडर हो चुका है।जिसका प्राइस बीट खुलना बाकी है। खुलते ही एक माह के भीतर ऑर्डर ठेकेदार को जारी कर काम शुरू कर दिया जाएगा। बता दें कि पिछले लंबे समय से हरदीबाजार-दीपका सड़क मार्ग की जर्जर स्थिति को लेकर क्षेत्रवासी काफी परेशान हैं। आए दिन यहां पर ट्रकों की लंबी कतारें लगी रहती है और दुर्घटनाएं हो रही है, जिससे निजात पाने के लिए क्षेत्रवासियों की लंबे समय से इस सड़क के सुधार को लेकर मांग बनी हुई थी । अब देखना होगा क्या नवनिर्वाचित विधायक के कड़े तेवर को देखते हुए एसईसीएल प्रबंधन जल्द से जल्द कार्य को आरंभ करती है या फिर पिछली सरकार में रहने वाले विधायक के साथ जैसे टालमटोल की स्थिति बताते हुए पांच साल गुजार दिए वैसे इस बार भी करेंगे ? जो भी हो यदि यह मार्ग बन जाए तो यहां के क्षेत्रवासियों को इस बड़ी समस्या से जल्द ही मुक्ति मिल जाएगी।

सरकार के बदलते ही दीपका नगर पालिका परिषद के पार्षदों ने अविश्वास प्रस्ताव की मांग

-संवाददाता-
कोरबा,08 दिसम्बर 2023 (घटती-घटना)।

विधानसभा चुनाव के नतीजे आए महज 05 दिन ही हुए है के प्रदेश में निगम एवं नगर पालिका क्षेत्रों में अविश्वास प्रस्ताव को लेकर भाजपा आवाज उठाने लगी है । जिले के दीपका नगर पालिका क्षेत्र के पार्षदों ने कलेक्ट्रेट आकार अविश्वास प्रस्ताव को लेकर कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन । बता दें कि नगर पालिका दीपका में अभी चुनाव को लगभग एक वर्ष बचा है । पर पिछली सरकार के कार्यकाल एवं नगर पालिका क्षेत्र में हो रहे भ्रष्टाचार को देखते हुए इस क्षेत्र के पार्षदों ने यह कदम उठाया । इस दौरान पार्षदों ने बताया कि नगर पालिका परिषद दीपका में कुल 21 पार्षद है जिसमे भारतीय जनता पार्टी के 10 कांग्रेस पार्टी के 6 व निर्दलीय 5 पार्षद है, लेकिन दीपका नगर पालिका में इस समय राजनीतिक सियासत अपने चरम पर है एवं कार्यों में किए जा रहे भ्रष्टाचार को लेकर यहां के भारतीय जनता पार्टी के 10 पार्षद ने संतोषी दीवान के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। भारतीय जनता पार्टी के 10 पार्षद सहित अन्य निर्दलीय पार्षद ने मिलकर कांग्रेस पार्टी के नगर पालिका अध्यक्ष संतोषी दीवान पर सीधा आरोप लगाते हुए अविश्वास प्रस्ताव में बताया कि नगर पालिका अध्यक्ष संतोषी दीवान का कार्यकाल को लगभग 03 वर्ष हो गया है ,इस दौरान उनके विकास

कार्यों के प्रति मनमानी करने का आरोप लगाया गया साथ ही बताया कि शासन के पैसे का लगातार अध्यक्ष द्वारा दुरुपयोग करते हुए नगर के विकास में बाधा उत्पन्न किया जा रहा है एवं टेंडरों में भी मनमानी किया जा रहा । पार्षदों ने आरोप लगाते हुए कहा के नगरपालिका अध्यक्ष द्वारा केवल अपने वार्डों में विकास के कार्य कराए गए जिससे अन्य वार्डों के निवासी में आक्रोश उत्पन हो चला है जिसे देखते हुए सभी 10 पार्षदों के द्वारा नगर पालिका अध्यक्ष के विरुद्ध छत्तीसगढ़ अधिनियम 1961 की धारा 43 (क) के अंतर्गत अविश्वास प्रस्ताव लाया गया है। उनके इस कदम से नगर पालिका परिषद दीपका में बीजेपी के 10 पार्षदों एवं अन्य निर्दलीय पार्षद द्वारा नगर पालिका अध्यक्ष संतोषी दीवान के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने से कटघोरा नगर में राजनीतिक सियासत गरमाता दिख रहा है । अब देखने वाली बात यह है कि सरकार के बदलते ही दीपका पार्षदों के द्वारा यह कदम क्यों उठाया गया ?क्यों इससे पूर्व एक भी ज्ञापन या आवाज नहीं उठाया गया। तो क्या दीपका के भाजपा पार्षद प्रदेश में अपनी सरकार बनने का इंतजार कर रहे थे ? उनके इस अविश्वास प्रस्ताव लाने के बाद क्षेत्र में विकास होगा ?

प्रधानमंत्री मातृ वन्दना योजना अंतर्गत विशेष पंजीयन अभियान अभियान

-संवाददाता-
कोरिया,08 दिसम्बर 2023 (घटती-घटना)।

महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी ने बताया कि मिशन शक्ति के अंतर्गत प्रधानमंत्री मातृ वन्दना योजना में निर्धारित मापदण्डों में पात्र परिवारों के प्रथम बच्चे के जन्म पर 02 किश्तों में राशि 5000 तथा द्वितीय बालिका संतान होने पर एकमुश्त 6000 दिए जाने का प्रावधान है। योजना अंतर्गत जिले में 07 दिसम्बर 2023 से 10 दिसम्बर तक विशेष पंजीयन अभियान-पंजीकरण अभियान शासन के निर्देशानुसार कलेक्टर विनय कुमार लंगेह के मार्गदर्शन में चलाया जा रहा है। जिले में सभी आंगनबाड़ी केन्द्रों के माध्यम से आंगनबाडी कार्यकर्ता द्वारा आंगनबाडी केन्द्र में तथा पात्र हितग्राहियों के घर-घर जाकर योजना का फार्म भरा जा रहा है। कोरिया जिले अंतर्गत पंजीयन अभियान के तहत अब तक कुल प्रथम बालिका के 214 आवेदन एवं द्वितीय बालिका के 26 आवेदनों का पंजीयन/पंजीकरण किया जा चुका है।

खनिज विभाग ने अवैध खनिज परिवहन पर की कार्यवाही

-संवाददाता-
कोरबा 08 दिसम्बर 2023 (घटती-घटना)।

कोरबा कलेक्टर सौरभ कुमार के निर्देशानुसार दिनांक 6 से 8 दिसंबर को खनिज व राजस्व विभाग द्वारा खनिज के अवैध निकासी एवं परिवहन पर संयुक्त कार्यवाही करते हुए खनिज रेत के अवैध परिवहन में 03 ट्रेक्टर व गिट्टी के अवैध परिवहन में 01 हाईवा को जप्त कर थाना उरगा, बालको नगर, दर्री के अभिरक्षा में रखा गया है। प्रशासन के इस कार्यवाही से खनिज खनिज माफियाओं में मैच गया है हड़कंप । बता दें के पिछले पांच वर्षों में पिछले सरकार द्वारा रेत के निकासी से लेकर परिवहन तक के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए जिसका नतीजा यह हुआ के पूरे पांच वर्ष तक रेत के माफियाओं के हौसलों ने रेत चोरी को लगातार अंजाम देते रहें,वही जिले की जनता ऊंचे दाम में इन रेतों को लेकर खरीदने के लिए मजबूर रहे । शासन द्वारा रेत घाटों को चलाने के लिए कई रूप रेखा तैयार तो किए गए पर उसे अंजाम तक नहीं पहुंचाया गया जिसका नतीजा यह हुआ के रेत एवं अन्य खनिज की चोरी लगातार चलता रहा बीच बीच में प्रशासन द्वारा कार्यवाही तो की गई पर इनके अवैधानिक कार्य को रोक न सकी । अब प्रश्न यह उठ खड़ा हुआ है के क्या नई सरकार आने बाद प्रशासन इन बुलंद हौसले के साथ रेत चोरी में लिप्त माफियाओं पर लगाम कस पाएगी ?

ठंड को देखते हुए शाला संचालन के समय में किया गया परिवर्तन

-संवाददाता-
बलरामपुर,08 दिसम्बर 2023 (घटती-घटना)।

शीतलहर और कड़ाके की ठंड को देखते हुए स्कूलों के समय में बदलाव किया गया है। कलेक्टर रिमिजियुस एक्का ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिया है, जारी आदेश के अनुसार दो पालियों में संचालित होने वाली कक्षाएं प्रथम पाली में सोमवार से शुक्रवार तक सुबह 9:00 बजे से 12:30 बजे तक तथा शनिवार को दोपहर 12:45 से 4:15 बजे तक, इसी क्रम में द्वितीय पाली में संचालित होने वाली कक्षाएं सोमवार से शुक्रवार तक दोपहर 12:45 बजे से 4:15 बजे तक व शनिवार को सुबह 9:00 बजे से 12:30 बजे तक संचालित होंगी। इसी प्रकार एक पाली में संचालित होने वाली कक्षाएं सोमवार से शुक्रवार तक सुबह 9:45 बजे से 4:00 बजे तक तथा शनिवार को सुबह 9:00 बजे से 12:30 बजे तक संचालित की जायेंगी। कलेक्टर द्वारा जारी आदेश आगामी 15 जनवरी 2024 तक प्रभावशील होगा।

न्यायालय सक्षम प्राधिकारी (व्यपवर्तन) एवं अनुविभागीय अधिकारी (रा.) बैकुण्ठपुर,जिला कोरिया,छ0ग0

ईकोर्ट रा0प्र0क्र0 /अ-2/2022-23

।। उद्घोषणा ।।

सर्व साधारण को ग्राम बैकुण्ठपुर प0ह0नं0 09 तहसील बैकुण्ठपुर जिला कोरिया (छ0ग0) तथा हितबद्ध पक्षकारों को सूचित किया जाता है, आवेदिका चन्द्रावती सिंह पति सुरेश सिंह जाति क्षत्रिय निवासी बैकुण्ठपुर तहसील बैकुण्ठपुर जिला कोरिया द्वारा अपने स्वामित्व की बैकुण्ठपुर प.ह.नं. 09 तहसील बैकुण्ठपुर जिला कोरिया स्थित भूमि ख.नं. 20/34 रकबा 0.0200 हें0 भूमि का आवासीय प्रयोजन हेतु डायवर्सन किये जाने हेतु निवेदन किया गया है।

अतः उक्त संबंध हित रखने वाले व्यक्तियों को यदि कोई आपत्ति हो तो वे दिनांक 22/12/023 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिभाषक के द्वारा इस न्यायालय में आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त आपत्तियों पर कोई विचार विमर्ष नहीं किया जायेगा।

जारी दिनांक 07/12/2023

सील — सक्षम प्राधिकारी (व्यपवर्तन) एवं अनुविभागीय अधिकारी बैकुण्ठपुर,जिला-कोरिया,छ.ग.

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा0) उदयपुर, जिला-सरगुजा,छ0ग0

रा0प्र0क्र0 /अ-02/2021-22

ईश्तेहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक उदय कुमार आ0 अनुक जाति कंवर निवासी कटकोना द्वारा ग्राम कंवरा तहसील लखनपुर स्थित आवेदक के स्वत्व व आधिपत्य की भूमि ख0न0 150/8 रकबा 0.019 हे0 को आवासीय प्रयोजन में व्यपवर्तन हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त संबंध में किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो ईश्तहार प्रकाशन के पन्द्रह दिवस के भीतर इस न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर लिखित रूप से दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 28/11/2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

सील — अनुविभागीय अधिकारी (रा0) उदयपुर, सरगुजा, छ0ग0

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ0ग0)

रा.प्र.क्र./ब 121/2023-24

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक पुष्पा देवी अग्रवाल पति राजकुमार अग्रवाल निवासी गुदरी चौक विजय मार्ग गुरूनानक वार्ड अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम नमनाकला स्थित खसरा नंबर 461/3 रकबा 0.010 हे0 भूमि को अनावेदक तृसी पाण्डेय पति मिथलेश कुमार पाण्डेय निवासी ग्राम नमनाकला तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के पास बिक्री करने का सौदा तय कर बिक्री अनुमति हेतु आवेदन पत्र श्रीमान कलेक्टर महोदय सरगुजा के समक्ष प्रस्तुत कया गया है, जो जांच एवं प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो हो तो सुनवाई दिनांक 22/12/2023 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिषाक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक-07/12/2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

सील — तहसीलदार अम्बिकापुर (सरगुजा)

CMYK

गौतम गंभीर-एस श्रीसंत में जमकर हुई तू-तू,मैं-मैं

कैपिटल्स के 12 रन के स्कोर से जीतने के बाद श्रीसंत ने गंभीर को अनावश्यक रूप से उकसाने के लिए फटकार लगाई

श्रीसंत ने अपने सहकर्मियों के प्रति कोई सम्मान न दिखाने के लिए उन पर हमला किया और बताया कि वह गंभीर की टिप्पणियों से कितने आहत थे

लीजेंड्स लीग क्रिकेट करेगा आंतरिक जांच,होगी कार्रवाई

सूरत,08 दिसंबर2023। लीजेंड्स लीग क्रिकेट (एलएलसी) भारत के पूर्व साथियों गौतम गंभीर और एस. श्रीसंत से जुड़ी घटना में आचार संहिता के उल्लंघन की आंतरिक जांच करेगा। लीजेंड्स लीग क्रिकेट (एलएलसी) ने एक बयान में कहा कि क्रिकेट जगत में जिस घटना की चर्चा हो रही है, वह आचार संहिता का उल्लंघन है और लीग की आचार संहिता और आचार समिति द्वारा बताए गए स्पष्ट नियमों का उल्लंघन करने वाले सभी लोगों के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

लालभाई कॉन्ट्रैक्टर स्टेडियम में इंडिया कैपिटल्स और गुजरात जाइंट्स के बीच एलएलसी सीज़न 2 एलिमिनेटर मैच के दौरान गंभीर और श्रीसंत के बीच तीखी बहस हो गई और अंपायरों को मामले को सभ्य बनाए रखने के लिए हस्तक्षेप करना पड़ा।

कैपिटल्स के 12 रन के स्कोर से जीतने के बाद श्रीसंत ने गंभीर को अनावश्यक रूप से उकसाने के लिए फटकार लगाई। श्रीसंत ने अपने सहकर्मियों के प्रति कोई सम्मान न दिखाने के लिए उन पर हमला किया और बताया कि वह गंभीर की टिप्पणियों से कितने आहत थे।

मिस्टर फाइटर के साथ जो कुछ हुआ, उस पर मैं बस कुछ स्पष्ट करना चाहता था, जो हमेशा अपने सभी सहयोगियों के साथ बिना किसी कारण के लड़ते हैं। वह अपने सीनियर खिलाड़ियों का भी सम्मान नहीं करते, जिनमें वीरू भाई और कई लोग शामिल हैं। आज बिल्कुल वैसा ही हुआ । श्रीसंत ने मैच के बाद कहा, बिना किसी उकसावे के, वह मुझे फोन करते रहे, जो बहुत ही अभद्र बात है और ऐसा कुछ जो मिस्टर गौतम गंभीर को नहीं कहना चाहिए था।

तो, मैं बस आप सभी को यह बताना चाहता हूं कि मेरी कोई गलती नहीं है। मैं बस तुरंत हवा साफ़ करना चाहता था। देर-सबेर आपको पता चल जाएगा कि गौती ने क्या किया है। उन्होंने जो शब्द इस्तेमाल किए और जो बातें उन्होंने क्रिकेट के मैदान पर लाइव कही, वे स्वीकार्य नहीं हैं। हालांकि, गुरुवार सुबह श्रीसंत

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर लाइव हुए और गंभीर पर 'एफ' शब्द का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। केरल के तेज गेंदबाज ने यह भी कहा कि गंभीर ने 2013 इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) स्पॉट फिक्सिंग कांड का जिक्र करते हुए उन्हें 'फिक्सर' कहा था।

श्रीसंत द्वारा मामले को सोशल मीडिया पर ले जाने के बाद एलएलसी ने इस मुद्दे पर एक बयान जारी किया और अपना रुख स्पष्ट किया।

6 दिसंबर 2023 को लालभाई कॉन्ट्रैक्टर स्टेडियम, सूरत में गुजरात जायंट्स और इंडिया कैपिटल्स के बीच मैच के दौरान मैदान पर हुई घटना और उसके बाद सोशल मीडिया पर हुई बातचीत के संबंध में, लीजेंड्स लीग क्रिकेट भावना को बनाए रखने के लिए अपना आधिकारिक रुख बहुत स्पष्ट करता है। लीग ने गुरुवार को कहा, खेल के मैदान के अंदर और बाहर दोनों जगह।

लीजेंड्स लीग क्रिकेट क्रिकेट और खेल भावना को बनाए रखने का प्रयास करता है और आचार संहिता के उल्लंघन पर आंतरिक जांच करेगा।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म सहित मैदान के अंदर और बाहर होने वाले किसी भी दुर्व्यवहार से सख्ती से निपटा जाएगा।

लीजेंड्स लीग क्रिकेट की आचार संहिता और आचार समिति के प्रमुख सैयद किरमानी ने कहा,आचार संहिता में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि लीग, खेल की भावना और जिस टीम का वे प्रतिनिधित्व कर रहे हैं उसे बदनाम करने वाले खिलाड़ियों के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। हम अपना रुख बहुत स्पष्ट करते हैं और खेल को साझा करने की दिशा में काम करना जारी रखेंगे। देश और दुनिया भर के लाखों क्रिकेट प्रेमियों के साथ।

लीजेंड्स लीग क्रिकेट के सीईओ रमन रहेजा ने कहा कि वे आचरण के उल्लंघन के खिलाफ उचित कार्रवाई कर रहे हैं। रहेजा ने कहा,लीजेंड्स लीग क्रिकेट में अनुबंधित सभी खिलाड़ी कदाचार से संबंधित कुछ शर्तों से बंधे हैं और आचार संहिता और आचार समिति द्वारा निर्धारित आचार संहिता के अनुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। हम अनुबंध के उल्लंघन के खिलाफ उचित कार्रवाई कर रहे हैं।

एलएलसी ने कहा कि इस घटना ने अब तक के बेहद रोमांचक सीज़न से ध्यान हटा दिया है। इसमें कहा गया, दुर्भाग्य से, सोशल मीडिया पर वायरल हो रही यह घटना थोड़े समय के लिए ही सही, उस सीजन से ध्यान खींचती है, जो अब तक का बेहद रोमांचक सीजन रहा है, जिसमें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय दिग्गज अपनी-अपनी टीमों के लिए एक साथ खेल रहे हैं।

सविता 22 सदस्यीय भारतीय महिला हॉकी टीम का नेतृत्व करेंगी

नई दिल्ली ,08 दिसंबर 2023। हॉकी इंडिया ने शुक्रवार को स्पेन के वालेंसिया में 15 से 22 दिसंबर तक होने वाले आगामी 5 देशों के टूर्नामेंट के लिए 22 सदस्यीय भारतीय महिला हॉकी टीम की घोषणा की।

भारत टूर्नामेंट में आयरलैंड, जर्मनी, स्पेन और बेल्जियम के खिलाफ खेलेगा जो 13 जनवरी, 2024 से शुरू होने वाले महत्वपूर्ण एफआईएच हॉकी ओलंपिक क्वालीफायर रांची 2024 से पहले तैयारी कार्य के रूप में काम करेगा।शीर्ष गोलकीपर सविता को कप्तान और अनुभवी खिलाड़ी वंदना कटारिया को टीम का उप-कप्तान बनाया गया है।

टीम में गोलकीपर के रूप में सविता के साथ बिचू देवी खारीबाम को शामिल किया गया है, जबकि बैकलाइन में गुरजीत कौर के साथ-साथ डिफेंडरों की सूची में निक्की प्रधान, उदिता, इशिका चौधरी और अक्षता अबासो ढेकाले की वापसी होगी।मिडफील्ड में निशा, वैष्णवी विट्ठल फाल्के, मोनिका, सलीमा टेटे, नेहा, नवनीत कौर, सोनिका, ज्योति और बलजीत कौर शामिल हैं। फॉरवर्ड पंक्ति में ज्योति छत्री, संगीता कुमारी, दीपिका, वंदना कटारिया, ब्यूटी डुंगडुंग और शर्मिला देवी हैं।

टीम चयन पर भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच जेनेक शोपमैन ने कहा, हम एक अच्छी तरह से संतुलित, मजबूत टीम के साथ जा रहे हैं। टूर्नामेंट खिलाड़ियों को हालिया प्रदर्शन को आगे बढ़ाने और खुद को महत्वपूर्ण एफआईएच हॉकी ओलंपिक क्वालीफायर रांची 2024 को ध्यान में रखते हुए सही फ्रेम में रखने के लिए एक आदर्श मंच देता है।उन्होंने कहा, शीर्ष यूरोपीय टीमों के खिलाफ मैच से हमें उन क्षेत्रों की पहचान करने में भी मदद मिलेगी जिनमें टूर्नामेंट से पहले सुधार की जरूरत है और हम इस अवसर का अधिकतम लाभ उठाने की उम्मीद कर रहे हैं।

एवर्टन ने न्यूकैसल को 3-0 से रौंदा

लिवरपूल (यूके),08 दिसंबर 2023। ड्वाइट मैकनील, अब्दुलाये डौकौरे और बेटो के देर से किए गए गोल ने एवर्टन को न्यूकैसल यूनाइटेड के खिलाफ 3-0 से जीत दिलाई। इस एकतरफा जीत में गुडिसन पार्क में न्यूकैसल यूनाइटेड की रक्षात्मक गलतियों ने फैंस को काफी निराश किया। इस जीत से एवर्टन ल्यूटन टाउन से आगे निकल गया और रेलीगेशन क्षेत्र से बाहर निकल आया । 10 अंकों की कटौती के बिना, जिसकी मंजूरी के लिए क्लब ने आधिकारिक तौर पर अपील की है। इससे शॉन डाइचे की टीम प्रीमियर लीग तालिका के शीर्ष भाग में पहुंच जाती। पांच दिनों के अंतराल में दूसरी बार मैकनील ने ब्लूज़ को अंत से 11 मिनट पहले जीत की ओर अग्रसर किया। डौकौरे के अभियान के पांचवें हमले ने सात मिनट बाद बढ़त को दोगुना कर दिया। फिर, 10 मिनट के स्टॉपेज

टाइम के बाद दूसरे हाफ में स्थानापन्न खिलाड़ी बेटो आक्रामक दिखे। ट्रिप्पियर द्वारा ऑनसाइड में खेले जाने के बाद हाफ की लंबाई तक दौड़ते हुए, तीसरा गोल कर शानदार जीत हासिल की। इस सीज़न में एवर्टन की केवल दूसरी घरेलू जीत एवर्टन को 10 अंकों के साथ 17वें स्थान पर ले गई है। न्यूकैसल 26 अंकों के साथ सातवें स्थान पर है। विशेष रूप से सीमस कोलमैन ने गुरुवार की रात एवर्टन के लिए प्रीमियर लीग में अपनी 353वीं उपस्थिति दर्ज की।

वॉर्नर ने जॉनसन के कॉलम पर तोड़ी चुप्पी

- **डेविड वार्नर ने पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले अपने मिचेल जॉनसन के कॉलम पर खुलकर बात की**
- **इसको लेकर डेविड वॉर्नर ने कहा कि हर किसी को अपनी राय रखने का अधिकार है**

नई दिल्ली,08 दिसंबर 2023। ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर ने पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले अपने पूर्व साथी मिचेल जॉनसन के कॉलम पर खुलकर बात की। जॉनसन ने द वेस्ट ऑस्ट्रेलियन के लिए अपने कॉलम में लिखा- जब हम डेविड वॉर्नर की विदाई सीरीज की तैयारी कर रहे हैं, तो क्या कोई मुझे बता सकता है कि क्यों? संघर्ष कर रहे टेस्ट सलामी बल्लेबाज को संन्यास की तारीख खुद तय करने का मौका क्यों मिला है? और ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट इतिहास के सबसे बड़े स्कैंडल में से एक रहे खिलाड़ी को हीरो जैसी विदाई क्यों मिल रही है और उन्हें क्यों चाहिए?

जैसा कि ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने घोषणा की कि टेस्ट टीम

बाहरी हमलों की स्थिति में अनुभवी सलामी बल्लेबाज की ÷कड़ी सुरक्षा÷ करेगी, वार्नर ने आग में घी डालने से परहेज किया। वार्नर ने शुक्रवार को पैरामाट्टा में फॉक्स क्रिकेट के ग्रीष्मकालीन कवरेज के लॉन्च पर कहा, ÷हर किसी को अपनी राय रखने का अधिकार है। इन चीजों से आगे बढ़ते हुए, हम पश्चिम में एक अच्छे टेस्ट की उम्मीद कर रहे हैं। अपने करियर को ऊंचे स्तर पर समाप्त करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे वार्नर ने कहा कि उन्होंने जॉनसन जैसी आलोचना के सामने हार न मानना बहुत पहले ही सीख लिया था। वॉर्नर ने कहा, मेरे माता-पिता ने मेरे अंदर यह बात डाली। उन्होंने मुझे हर दिन लड़ना और कड़ी मेहनत करना सिखाया। मुझे लगता है कि आज जो आप यहां देख रहे हैं वह अधिक महत्वपूर्ण है, लोग क्रिकेट का समर्थन करने के लिए आगे आ रहे हैं। वार्नर ने 2020-21 की गर्मियों के बाद से 25 मैचों में केवल एक टेस्ट शतक बनाया है। वह शतक 2022 के अंत में एमसीजी में उनके 100वें टेस्ट में आया जब उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दोहरा शतक बनाया। ऑस्ट्रेलियाई चयनकर्ता कठिन दौर में वार्नर के प्रति वफादार रहे हैं, और वर्तमान में यह तय कर रहे हैं कि सिडनी के बाद उनकी जगह कौन लेगा। टीम ने हाल ही में उत्साहजनक प्रदर्शन किया है।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट मैच से पहले अबरार चोटिल

- **पाकिस्तान के लेग स्पिनर अबरार अहमद चोटिल**
- **प्रधानमंत्री एकादश के खिलाफ अभ्यास मैच के तीसरे दिन चोटिल हुए**

कैनबरा,08 दिसंबर 2023। पाकिस्तान के लेग स्पिनर अबरार अहमद प्रधानमंत्री एकादश के खिलाफ चार दिवसीय अभ्यास मैच के तीसरे दिन चोटिल हो गए हैं। 25 वर्षीय खिलाड़ी को मैदान से बाहर ले जाया गया। उनकी शिकायत के बाद, अबरार को एमआरआई स्कैन के लिए भेजा गया था। पीसीबी ने एक बयान में कहा, मेडिकल पैनल द्वारा एमआरआई रिपोर्ट का आकलन करने के बाद आगे की जानकारी उचित समय पर साझा की जाएगी। अबरार ने प्रधानमंत्री एकादश के खिलाफ मैच में अब तक कुल 27 ओवर फेंके। चार दिवसीय मैच ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उनकी तीन मैचों की टेस्ट श्रृंखला से पहले पाकिस्तान की तैयारी के हिस्से के रूप में निर्धारित किया गया था, जो 14 दिसंबर से 7 जनवरी, 2024 तक होने वाली है।

इससे पहले दिन में प्रधानमंत्री

एकादश ने मनुका ओवल में तीसरे दिन स्टंप्स तक अपनी पहली पारी में 4 विकेट पर 367 रन बना लिए थे। फिर भी वह पाकिस्तान से 24 रन पीछे है और अंतिम दिन का खेल बराबरी पर आना लगभग तय है। पाकिस्तान के कप्तान शान मसूद ने अपने रात के 156 रन के स्कोर से आगे बढ़ते हुए अपने स्कोर में 45 और रन जोड़े और अपना तीसरा प्रथम श्रेणी दोहरा शतक पूरा किया। उन्होंने 298 गेंदों में नाबाद 201 रन बनाए, जिसमें 14 चौके और एक छक्का शामिल है। नाथन मैकस्वीनी के सीधे हिट के कारण खुर्रम शहजाद के रन आउट होने के बाद पाकिस्तान ने पारी घोषित कर दी। उस समय स्कोरकार्ड 116.2 ओवर में 391-9 था। पाकिस्तान के खिलाफ टूर मैच में एक संयमित शतक के साथ, मैट रेनशॉ ने टेस्ट में वापसी के लिए बुलाए जाने की अपनी संभावनाओं को बढ़ा दिया और इस बात पर दांव लगा दिया कि डेविड वार्नर के जाने के बाद उनका स्थान कौन लेगा। अविजित 136 रन के साथ, 27 वर्षीय खिलाड़ी ने जल्द ही खाली होने वाले ऑस्ट्रेलिया टेस्ट सलामी बल्लेबाज के पद के लिए अन्य उम्मीदवारों को पीछे छोड़ दिया। पहली पसंद के तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी, हसन अली और मोहम्मद वसीम को पाकिस्तान ने आराम दिया था, जबकि स्पिनर अबरार ने पिंडली की मांसपेशियों में चोट के कारण शुक्रवार को टूर मैच छोड़ दिया।

आईएसएल 2023-24 : चेन्नईयिन, जमशेदपुर ने रोमांचक मुकाबला 2-2 से ड्रॉ खेला

जमशेदपुर,08 दिसंबर 2023। चेन्नईयिन एफसी और जमशेदपुर एफसी ने जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में 2023-24 इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) मैच में 2-2 से ड्रॉ खेला।मैच के नौवें मिनट में फारुख चौधरी के गोल से मेहमान टीम की शुरुआत हुई, जिसके बाद निन्थोइंगनबा मीतेई (40वें मिनट) ने अपनी बढ़त दोगुनी कर दी। जमशेदपुर के लिए पचुआउ लालडिनपुइया (45वें मिनट) और डेनियल चीमा (90वें मिनट) ने एक-एक गोल किया।चेन्नईयिन ने मैच की सकारात्मक शुरुआत की, कई कॉर्नर किक अर्जित की, इससे पहले चौधरी ने राफेल क्रिवेलारो के क्रॉस पर धावा बोलकर विरोधी टीम को मैच में आगे कर दिया। 24वें मिनट में जमशेदपुर ने जवाबी हमला करने की कोशिश की, लेकिन बॉक्स के बाहर से एलेन स्टवानोविक के शॉट को चेन्नइयन की सतर्क रक्षापंक्ति ने रोक दिया।

32वें मिनट में स्टीव अंबरी का शॉट भी नेट के पीछे से विफल हो गया, इससे पहले सेट-पीस स्थिति से जॉर्डन मरे के पास के बाद मीतेई ने बॉक्स के दाई ओर से एक शानदार गोल किया। घरेलू टीम को हाफ टाइम के करीब एक नई जिंदगी मिली, जब लालडिनपुइया का क्लोज-रेंज हेडर चेन्नईयिन के गोल में चला गया। ब्रेक के बाद भी जमशेदपुर ने अपनी लय जारी रखी और बॉक्स के केंद्र से अंबरी का शॉट पोस्ट के बाई ओर से चूक गया।मरे 60वें मिनट में क्रिवेलारो के बेहतरीन पास के बाद बॉक्स के दाई ओर से शॉट के साथ तस्वीर में आए। हालांकि, जमशेदपुर के गोलकीपर रेहेनेश टी. पी. ने निचले दाएं कोने में शानदार बचाव करके अपनी टीम को खेल में बनाए रखा।

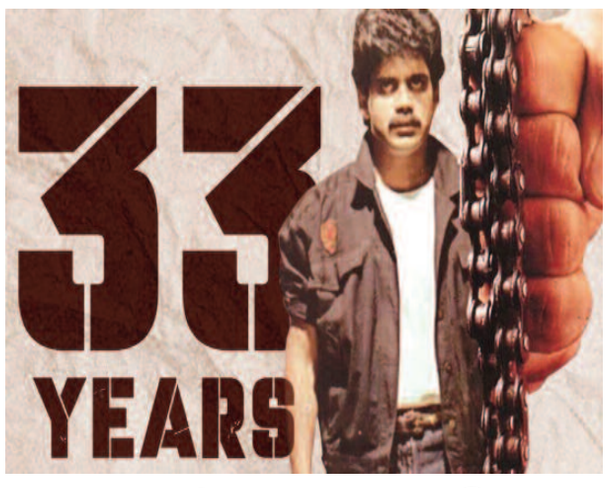

नागार्जुन स्टारर शिवा के 33 साल पूरे हुए

नागार्जुन अक्किनेनी और राम गोपाल वर्मा 33 साल पहले अपनी फिल्म शिवा के हिंदी रीमेक के लिए एक साथ आए थे, जिसका नाम शिवा था। वह फिल्म जिसने हिंदी सिनेमा में नागार्जुन और आरजीवी दोनों की शुरुआत को चिह्नित किया, ने मुख्यधारा के हिंदी सिनेमा की बाधाओं को तोड़ दिया, फिल्म निर्माण की शैली और सिनेमा के विषय-वस्तु में एक क्रांति पैदा की।

क्राइम-एक्शन फिल्म में असामाजिक तत्वों द्वारा छात्र शोषण की अवधारणाओं और समाज में भीड़ मनोविज्ञान के प्रभाव के बारे में एक कहानी दिखाई गई है। आइए फिल्म के पहलुओं पर गहराई से गौर करें।

नहीं रहे मशहूर अभिनेता जूनियर महमूद

हम काले हैं तो क्या हुआ दिलवाले गाने से लोगों के दिलों में किया था राज,

इस गंभीर बीमारी के थे शिकार...

दिग्गज बॉलीवुड हास्य अभिनेता, गायक, निर्देशक और चरित्र अभिनेता नईम सैय्यद - जिन्हें जूनियर महमूद के नाम से जाना जाता है - का शुक्रवार सुबह निधन हो गया। वह लंबे समय से कैंसर से पीड़ित थे।जूनियर महमूद को पेट के कैंसर के इलाज के लिए टाटा मेमोरियल कैंसर अस्पताल में भर्ती कराया गया था और इलाज के वह घर पर ही स्वास्थ्य लाभ कर रहे थे। उनकी हालत अचानक बिगड़ गई और उन्हें वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया, लेकिन आज सुबह वह दुनिया को अलविदा कह गये। उनके कैंसर का पता अंतिम चरण में चला। तब तक यह यकृत, फेफड़ों और आंत में ट्यूमर के साथ फैल गया था और पीलिया के कारण जटिल हो गया था।जूनियर महमूद को पेट के कैंसर के इलाज के लिए टाटा मेमोरियल कैंसर अस्पताल में भर्ती कराया गया था और इलाज के वह घर पर ही स्वास्थ्य लाभ कर रहे थे। उनकी हालत अचानक बिगड़ गई और उन्हें वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया, लेकिन आज सुबह वह दुनिया को अलविदा कह गये। उनके कैंसर का पता अंतिम चरण में चला। तब तक यह यकृत, फेफड़ों और आंत में ट्यूमर के साथ फैल गया था और पीलिया के कारण जटिल हो गया था। जूनियर महमूद का अंतिम संस्कार आज दोपहर जुहू मुस्लिम कब्रिस्तान में किया जाएगा, जिसमें बड़ी संख्या में बॉलीवुड हस्तियों के शामिल होने की संभावना है। मोहब्बत जिंदगी है (1966) में एक बाल कलाकार के रूप में अपना फिल्मी करियर शुरू करने वाले जूनियर महमूद ने कई भारतीय भाषाओं में 250 से अधिक फिल्मों में काम किया। उन्होंने आधा दर्जन मराठी फिल्मों का निर्देशन किया और कुछ गाने भी गाए। उन्होंने नौनिहाल (1967), ब्रह्मचारी (1968), कटी पतंग और आन मिलो सजना (1970), कारवां, हाथी मेरे साथी, हरे रामा, हरे कृष्णा और जूनियर. महमूद इन हॉन्ग कॉन्ग (सभी 1971), आप की कसम और अमीर गरीब (1974), गीत गाता चल (1975), शहजादे (1989), आज का अर्जुन (1990), जुदाई (1997), जर्नी बॉम्बे टू गोवा (2007), और कई अन्य फिल्मों में छोटी-बड़ी भूमिकाएं निभाई।

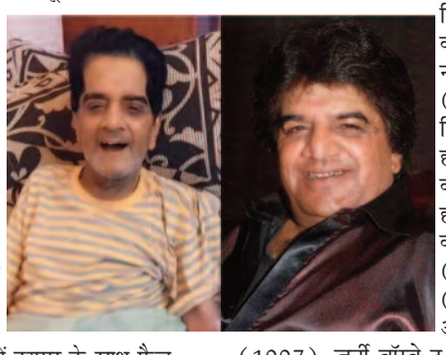

जूनियर महमूद को प्यार का दर्द है, मीठा मीठा प्यारा प्यारा, एक रिश्ता साझेदारी का और तेनाली रामा जैसे टेली-धारावाहिकों में चरित्र भूमिकाओं में भी देखा गया था। संयोग से, सैय्यद महान हास्य अभिनेता महमूद अली को अपना गुरु मानते थे जिन्होंने उन्हें जूनियर महमूद की उपाधि दी थी। अस्पताल में भर्ती होने के दौरान, कई बॉलीवुड हस्तियों ने अस्पताल में जूनियर महमूद से मुलाकात की और उनके बिगड़ते स्वास्थ्य पर चिंता व्यक्त की।

नायक 2 के लिए तैयार हैं अनिल कपूर,ऐसे दिया संकेत

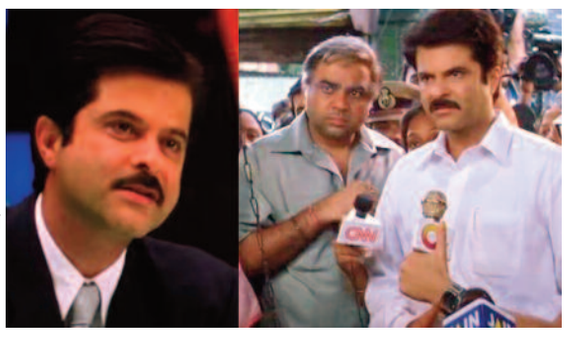

बॉलीवुड के सबसे मंझे हुए अभिनेताओं में से एक अनिल कपूर हमेशा सुर्खियों में बने रहते हैं। फैंस को उनका ये अंदाज काफी पसंद आता है. आज वह अभिनय की दुनिया में पूरे जोश के साथ सक्रिय रहते हैं। 66 साल की उम्र में भी अनिल ने अपनी फिजिकल फिटनेस बरकरार रखी है। वे काफी ऊर्जावान हैं. फिलहाल अनिल फिल्म एनिमल में बलबीर सिंह के किरदार से फैंस के दिलों में अमिट छाप छोड़ रहे हैं। उन्होंने रणबीर कपूर के पिता का किरदार निभाया था.वह जल्द ही फिल्म द फाइटर में जबरदस्त अंदाज में नजर आएंगे। इस बीच कुछ रिपोर्ट्स की मानें तो अनिल जल्द ही एक और बड़े रोल के लिए तैयारी कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि वह नायक के सीक्वल नायक 2 में नजर आएंगे। नायक में अनिल ने एक दिन के लिए मुख्यमंत्री बनकर लोगों का दिल जीत लिया था। ये किरदार आज भी लोगों की यादों में जिंदा है. अनिल ने हाल ही में फिल्म एनिमल में अपने को-स्टार बॉबी देओल के साथ एक फोटो शेयर की थी.दोनों पात्र न तो शर्ट पहनते हैं और न ही अपना शरीर दिखाते हैं। फैंस जब भी उन्हें साथ देखते हैं तो उनकी तारीफ करते हैं. इसी कड़ी में एक फैन ने पोस्ट पर कमेंट करते हुए लिखा, 'नायक 2 को मूवी बना दीजिए सर.' आप दोनों अद्भुत लग रहे हैं।÷ इस पर अनिल ने लिखा, ÷इसे जल्द ही हटा दिया जाएगा।÷ सोशल मीडिया पर कयास लगाए जा रहे हैं कि नायक 2 बनेगी। गौरतलब है कि 2001 में रिलीज हुई फिल्म नायक में अनिल के साथ रानी मुखर्जी, परेश रावल और अमरीश पुरी भी खास भूमिकाओं में थे। फिल्म की कहानी इसी पर आधारित है। प्रधान मंत्री और राजनीति के आसपास।

पोस्टल बैलेट से भी सरकारी कर्मचारियों ने भाजपा को दिया ज्यादा वोट

छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के पोस्टल बैलेट में सरकारी कर्मचारियों ने कांग्रेस के बजाय भाजपा को ज्यादा वोट दिया

रायपुर,08 दिसंबर 2023(ए)। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के पोस्टल बैलेट में सरकारी कर्मचारियों ने कांग्रेस के बजाय भाजपा को ज्यादा वोट दिया है। आयोग से मिले आंकड़ों पर गौर करें तो चुनाव में एक लाख तीन हजार 753 डाक मतपत्र निर्वाचन आयोग को प्राप्त हुआ था। इनमें 43,023 वोट भाजपा व कांग्रेस को 40,768 डाक मत-पत्र प्राप्त हुआ।

विधानसभा चुनाव में अधिकारी-कर्मचारियों के अलावा 80 वर्ष से ज्यादा उम्र के बुजुर्ग, दिव्यांग और अनिवार्य सेवा ड्यूटी में लगे मतदाताओं ने डाक मतपत्र के जरिए वोट किया था। 90 विधानसभा की स्थिति पर गौर करें सबसे ज्यादा टीएस सिंहदेव को 1041 वोट मिला, वहीं पूर्व मुख्यमंत्री डा. रमन सिंह 639 ,पाटन विधानसभा से भूपेश बघेल को 591, विजय बघेल को 411, संपत अग्रवाल को 803, विजय शर्मा को 868 डाक मत मिले हैं।

उल्लेखनीय है कि इससे पहले मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी रीना बाबा साहेब कंगाले ने पांच दिसंबर को राजभवन में राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन से मुलाकात करके उन्हें छत्तीसगढ़ राज्य की छठवीं विधानसभा के गठन के निर्वाचित सदस्यों की अधिसूचना के साथ निर्वाचित अभ्यर्थियों की सूची सौंपी थी।

इन जिलों में भाजपा प्रत्याशियों का अधिकारी-कर्मचारियों ने किया समर्थन

बलौदा बाजार, धरसींवा, मनेंद्रगढ़, महासमुंद, जगदलपुर, बसना, बेलतरा, भाठापारा, भठगांव, भिलाई नगर, वैशाली नगर, तखतपुर, सीतापुर, राजनांदगांव, राजिम, रायपुर दक्षिण, रायपुर उत्तर, रायगढ़, अभनपुर, अहिवारा, अंतागढ़, बैकुंठपुर, प्रेम नगर, प्रतापुर, पंडरिया, नवागढ़, बीजापुर, मुंगेली, मोहला मानपुर, बिलासपुर, दुर्ग सिटी, दुर्ग ग्रामीण, गुंडरदेही, लुंड्रा, लोरमी, कुरुद, धमतरी, जांजगीर-चांपा, कोरबा, कोंडागांव, केशकाल और कवर्धा में भाजपा को ज्यादा डाकमत मिला है।

पर्यवेक्षकों की नियुक्ति के बाद क्या कहा पूर्व मुख्यमंत्री ने

रायपुर,08 दिसंबर 2023(ए)। पर्यवेक्षकों की नियुक्ति के बाद सीएम फेस को लेकर डा. रमन सिंह ने कहा, अभी किसी का नाम फाइनल नहीं हुआ है। जब तक राय मशवरा नहीं होंगे तब तक कहना मुश्किल है। अभी सभी नाम चर्चा में है। लोकसभा चुनाव को लेकर सरकार गठन किए जाने के सवाल पर उन्होंने कहा, छत्तीसगढ़ में पिछले बार से बेहतर रिजल्ट आएंगे।

11 की 11 सीटें जीते इस बड़े लक्ष्य को लेकर सरकार का गठन किया जा रहा है। पर्यवेक्षकों की नियुक्ति को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने कहा, विधायक दल की बैठक के लिए तीन पर्यवेक्षक नियुक्त किए गए हैं। यह तीनों पर्यवेक्षक विधायकों से सुझाव लेंगे। केंद्र की सहमति से विधायक दल का नेता चुनेंगे।

मंत्रियों को नई गाड़ियों के बजाये पुरानी गाड़ियों की सवारी करनी पड़ेगी

रायपुर,08 दिसंबर 2023(ए)। छत्तीसगढ़ में नए मुख्यमंत्री का नाम तय नहीं हो सका है। जाहिर है ऐसे में किन विधायकों को मंत्रिपद में शामिल किया जाएगा यह भी साफ नहीं है। हालाँकि इससे पहले मंत्रियों को आबंटित होने वाली सरकारी गाड़ियों को लेकर बड़ा अपडेट सामाने आया है।

जानकारी के मुताबिक़ नई सरकार में मंत्रियों को नई गाड़ियों के बजाये पुरानी गाड़ियों की ही सवारी करनी पड़ेगी। नई सरकार फिलहाल नए वाहन खरीदने के मूड में नहीं है।

इस तरह मंत्रियों को वही गाड़ियां अलॉट होंगी जिसे आदर्श आचार संहिता प्रभावी होते ही कांग्रेस के मिनिस्टर्स ने वापिस किया था। फ़िलहाल सभी सरकारी वाहन स्टेट गैरेज में सर्विसिंग के बाद तैयार खड़ी है। सिर्फ उनका अलॉटमेंट ही बाकी है।

चुनाव के बाद मंत्री अमरजीत हार गए मूंछ

» सेलून गए कटवाया मूंछ फिर.बोले- मोदी ने नोटबंदी के दौरान 50 दिन में गलत साबित होने पर चौराहे पर लटकाने का दावा किया था, अब भाजपाई उनसे भी वादा पूरा करने बोलें

रायपुर, 08 दिसंबर 2023(ए)। अमरजीत भगत ने विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की जीत को लेकर बयान दिया था कि अगर कांग्रेस की सरकार नहीं बनेगी तो वह अपनी मूंछ मुंडवा लेंगे। भूपेश सरकार में मंत्री रहे अमरजीत भगत ने मूंछ पर कैंची चलवाते हुए कहा कि अपनी मूंछ कटवाने वाले बयान पर कायम हूं।लेकिन प्रधानमंत्री मोदी को भी पहले अपना वादा पूरा करना चाहिए। उन्होंने कहा था कि नोटबंदी के दौरान 50 दिन में अगर मेरा निर्णय गलत हो गया तो मुझे किसी भी चौराहे पर लटका देना।

मैं अभी भी अपने बयान पर कायम हूं। मोदी ने नोटबंदी के दौरान 50 दिन में गलत साबित होने पर चौराहे पर लटकाने का दावा किया था, भाजपाई उनसे भी वादा पूरा करने बोलें। बीजेपी के जीत के बाद भाजपा नेता लगातार उन्हें मूंछ मुड़वाने की बात याद दिला रहे हैं। इससे पहले की भाजपा के नेता इस पर कुछ कहें। मंत्री ने कहा कि सरकार नहीं बनने का दुख है। जनता ने चूक कर दिया, यहां के कृषि की अर्थव्यवस्था जो यही से बढ़ रही वो अब पीछे जा रही है।

छत्तीसगढ़ में बीजेपी की सत्ता

» अब नगर निगम में कमल खिलाने की तैयारी,रायपुर के बाद अब बीरगांव महापौर से इस्तीफे की मांग

रायपुर, 08 दिसंबर 2023(ए)। छत्तीसगढ़ के रायपुर निगम की तरह अब बीरगांव नगर निगम में भी महापौर से इस्तीफे की मांग की जा रही है. बीजेपी ने कांग्रेस के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है. मूलभूत सुविधाओं को पूरा ना करने को लेकर मेयर से इस्तीफे की मांग की जा रही है. यहां कांग्रेस के 20, बीजेपी के 14 और 6 निर्दलीय पार्षद हैं. जिसमें बीजेपी महापौर के इस्तीफे को लेकर दबाव बना रही है.

बता दें कि बीजेपी ने प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बदल दी है. अब एक बार फिर बीजेपी का पार्षद दल रायपुर नगर पालिका निगम में कांग्रेस की सत्ता बदलवा के लिए रणनीति बना रहा हैं. नेता प्रतिपक्ष मीनल चौबे के मुताबिक कांग्रेस के पास नगर पालिका निगम में बहुमत नहीं है और प्रदेश में भी कांग्रेस की सरकार नहीं है. इसी नैतिकता के साथ महापौर एजाज ढेबर को इस्तीफा दे देना चाहिए. फिलहाल हम नैतिकता के आधार पर इस्तीफा मांग रहे हैं, यदि इसके बाद भी इस्तीफा नहीं देते हैं तो अविश्वास प्रस्ताव लाएंगे.

मीनल चौबे ने कहा था कि अविश्वास प्रस्ताव लाने के लिए आधार तैयार किया जा रहा है. एक ओर कांग्रेस के पास फिलहाल बहुमत नहीं है और दूसरी ओर नगर पालिका निगम रायपुर कांग्रेस सरकार में किए गए कार्यों सभी विफल है. जनता का विकास तो दूर जनता ही परेशान है. हम बहुमत साबित करके महापौर को हटाएंगे. मीनल ने निगम की मौजूदा स्थिति को बताते हुए कहा कि हमारे पास बहुमत है. हमारे 31 पार्षद है, साथ ही कांग्रेसी पार्षदों का भी सहयोग मिल रहा है. निर्दलीय पार्षदों ने भी हामी भर दी है. कांग्रेस के दो पार्षद छह साल के लिए निष्कासित भी है.

प्रदेश सरकार पर 86 हजार करोड़ का कर्ज

रायपुर, 08 दिसंबर 2023(ए)। राज्य में चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद सरकार बदलते ही अब दूसरी बार राज्य सरकार कर्ज लेने जा रही है। इससे पहले राज्य सरकार ने नवंबर में एक हजार करोड़ कर्ज लिया है। 28 नवंबर को लिया गया यह कर्ज राज्य सरकार 7.75 प्रतिशत ब्याज दर से लौटाएगी। इसके साथ ही प्रदेश सरकार पर कर्ज का बोझ बढ़कर 86 हजार करोड़ के पार चला गया है।छग सरकार को 2 हजार करोड़ का कर्ज चाहिए। सरकार इसके लिए अपना बांड (प्रतिभूति) बेच रही है। इसके लिए वित्त विभाग ने नोटिफिकेशन जारी कर दिया है।

एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग से युवाओं का मोह भंग

88 प्रतिशत सीटें खाली

रायपुर, 08 दिसंबर 2023(ए)। एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग की शिक्ष को लकेर युवाओं का मोह भंग हो चुका है।इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय की ओर से संचालित पाठ्यक्रमों की प्रवेश प्रक्रिया पूरी हो गई है। इस बार एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग में बहुत कम छात्रों ने प्रवेश लिया है।

शिक्षा सत्र 2023-24 में प्रवेश के लिए तीन राउंड की काउंसिलिंग हुई। सीटें खाली रहने के बाद ओपन काउंसिलिंग भी हुई, जिसके तहत 12वीं पास उन छात्रों से भी आवेदन मंगाए गए, जो प्रवेश परीक्षा में शामिल नहीं हुए थे। इसके बाद भी कृषि इंजीनियरिंग की 88 प्रतिशत सीटें खाली रह गई। राज्य में एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग की पढ़ाई चार कालेजों में होती है। इनमें दो सरकारी, एक रायपुर और एक मुंगेली में है। इसके अलावा दो निजी कालेज भिलाई में हैं। इनमें कुल

253 सीटें हैं। रायपुर के इंजीनियरिंग कालेज में 25 और मुंगेली के सरकारी कालेज में छह छात्रों ने प्रवेश लिया हैं।

इस तरह से कुल 31 सीटें भरी हैं और 222 खाली हैं। दोनों निजी एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग कालेज में एक भी छात्र ने एडमिशन नहीं लिया है। विशेषज्ञों का कहना है कि एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग के प्रति छात्रों का रुझान पिछले कुछ वर्षों से कम हुआ है। पहले भी प्रवेश लेने वाले छात्रों की संख्या कम रहती थी। लेकिन इस बार ज्यादा सीटें खाली हैं। इसी तरह फूड टेक्नोलाजी, डेयरी टेक्नोलाजी जैसे कोर्स की भी अधिकांश सीटें खाली रह गई।

जानकारों का कहना है कि इन कोर्स को लेकर छात्रों में रुझान कम है। इन कोर्स में रोजगार के अवसर की कमी है। दूसरी ओर छात्रों में जागरूकता बढ़ाने के लिए कोई ठोस प्रयास नहीं किए जा रहे हैं, परिणामस्वरूप इन कोर्स में छात्रों की संख्या लगातार कम हो रही है। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय से संबद्ध फूड टेक्नोलाजी कालेज में सिर्फ छह छात्रों ने प्रवेश लिया है। यहां कुल 42 सीटें हैं। इनमें से 36 खाली हैं।

हार पर ईवीएम के पीछे छिपना कांग्रेस की पुरानी आदत

» सीएम भूपेश बघेल के बयान पर एक्स सीएम डॉ. रमन सिंह ने कहा-जहां जीतते हैं वहां इन्हें कोई गड़बड़ी नहीं दिखाई देती

रायपुर,08 दिसंबर 2023(ए)। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव 2023 का नतीजा सत्ता में रही कांग्रेस के खिलाफ आया है। ऐसे में ईवीएम को लेकर सीएम भूपेश बघेल के बयान पर पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने कहा है कि हार पर ईवीएम के पीछे छिपना कांग्रेस की पुरानी आदत है।

रमन बोले, जहां कांग्रेस जीतती है, वहां चुनाव में कोई गड़बड़ी नहीं होतीज जहां कांग्रेस पिट जाती है वहां इन्हें शंका, कुशंका होती है। ये उनकी पुरानी आदत है। बीजेपी को कोई आपत्ति नहीं, बीजेपी निष्पक्ष है। नई तकनीक के साथ आगे बढ़ना चाहिए। डॉ रमन के मुताबिक ईवीएम से किसी को कोई दिक्कत नहीं है। कांग्रेसी हार का बहाना ढूंढते हैं, बीजेपी कभी हार और जीत में कारण नहीं ढूंढती। बहानेबाजी और अनर्गल प्रलाप से ग्रस्त कांग्रेस और उनके प्रदेश के नेताओं को कुछ नहीं सूझ रहा तो ईवीएम की आड़ ले रहे हैं।

बता दें कि कांग्रेस वरिष्ठ नेता और डिप्टी ष्टरू रहे टीएस सिंहदेव ने ईवीएम की गड़बड़ी को नकारते हुए बड़ी बात। ईवीएम को लेकर उठाए जा रहे सवालों पर श्री सिंहदेव ने कहा कि, हारने के बाद ईवीएम को लेकर बात उठाना उचित नहीं लगता।

हालांकि, मैं ईवीएम के पक्ष में नहीं हूं। श्री सिंहदेव के मुताबिक हम ट्राइबल के साथ अर्बन, सेमी अर्बन क्षेत्र में भी हारे। हर साथी को जवाबदारी लेनी चाहिए। हार पर मंथन किया जायेगा।

छत्तीसगढ़ में बदले जाएंगे पीसीसी प्रमुख

रायपुर,08 दिसंबर 2023(ए)। राजस्थान,मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में मिली हार की समीक्षा के के साथ ही संभवतः इन तीनों राज्यों के प्रदेश अध्यक्ष भी बदल दिए जाएंगे। वहीं आगामी लोकसभा चुनाव को देखते आलाकमान बड़े बदलाव कर सकती है। इस बैठक में छत्तीसगढ़ , मध्यप्रदेश और राजस्थान में प्रदेश अध्यक्ष का चेहरा बदला जाएगा। हार की समीक्षा के दौरान अब देश में होने वाले लोकसभा के लिए कांग्रेस जोरदार तैयारी कर रही है। बताया जाता है कि तीनों राज्यों में मिली करारी हार का कारण अब तक कांग्रेस समझ नहीं पा रही है। बात छत्तीसगढ़ की करें तो यहां भूपेश सरकार के कामकाज बेहतर थे, बावजूद इसके छत्तीसगढ़ में मिली हार का स्पष्ट कारण अब तक कांग्रेस ढूंढ नहीं पाई है।

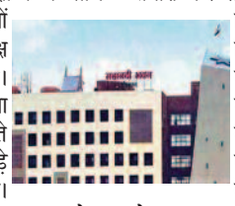

मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होंगे प्रधानमंत्री मोदी

रायपुर, 08 दिसंबर 2023 (ए)। छत्तीसगढ़ में हर कोई नये मुख्यमंत्री का इंतजार कर रहा है. सूत्रों के मुताबिक, छत्तीसगढ़ के नए मुख्यमंत्री का शपथ ग्रहण समारोह 13 दिसंबर को होगा। शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, असम मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सहित कई नेता शामिल हो सकते हैं। आपको बता दें कि विधायक दल का नेता चुनने के लिए बीजेपी केंद्रीय निगरानी टीम के सदस्य 10 दिसंबर को छत्तीसगढ़ पहुंचेंगे. 11 दिसंबर को विधायक दल की बैठक में सीएम के नाम की घोषणा की जाएगी। इसके बाद 13 दिसंबर को नवनियुक्त प्रधानमंत्री पद की शपथले ले सकते है। केंद्र सरकार में आदिवासी मंत्रालय के प्रमुख केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा को

भारतीय जनता पार्टी ने छत्तीसगढ़ का पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। बंदरगाह, जहाजरानी, जलमार्ग और आयुष मंत्री सर्बानंद सोनोवाल भी पर्यवेक्षक समूह का हिस्सा हैं। सोनोवाल असम के पूर्व मुख्यमंत्री भी थे। इस संबंध में उन्हें भी ऐसी जिम्मेदारी सौंपी गई थी. पार्टी ने भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव दुष्यंत कुमार को भी पर्यवेक्षक की जिम्मेदारी सौंपी है, जिनके पास संगठन में कई वर्षों का अनुभव है। वह हरियाणा से राज्यसभा सांसद भी थे। वह भाजपा संगठन में विभिन्न पदों पर हैं।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह*(पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)